संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 239
पृष्ठ 8
मंगलवार
19 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कम उम्र में स्मार्टफोन बनेगा...

विचार- इंकार से मान्यता तकः कनाडा...

खेल- आईपीएल में खेले स...

जनसेवा, सुरक्षा व सुशासन सरकार का संकल्प : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जनसेवा, सुरक्षा व सुशासन सरकार का संकल्प है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, व्यस्ततम दिनचर्या के बीच सोमवार को जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मिले और हर किसी की समस्या सुनी। मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि जनसेवा, सुरक्षा व सुशासन सरकार का संकल्प है। आपकी हर उचित समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर समस्याओं के निस्तारण का भी निर्देश दिया। शजनता दर्शनश में बिहार से भी एक महिला मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं। मुख्यमंत्री ने उनका अभिवादन कर कुशलक्षेम पूछा। योगी ने सभी के प्रार्थना पत्र लेने के उपरांत सम्बंधित जनपदों के अधिकारियों को प्रकरण की जांच कराकर पीड़ितों को न्याय दिलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक स्वयं मामलों पर नजर रखें और पीड़ितों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि पूरी तत्परता व संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में योगी की प्रशंसक एक महिला बिहार से आई थीं। मुख्यमंत्री सभी की समस्या सुनते हुए उनके पास भी पहुंचे और पूछा कि वह कहां से आई हैं, उनको क्या परेशानी है। इस पर महिला ने कहा– महाराज जी, प्रणाम। हम बिहार से आइल बानी।

गुंडाधुर की धरती बनेगी तीर्थस्थल : शाह

रायपुर/जगदलपुर,एजेंसी। नक्सलवाद खात्मे के बाद पहली बार बस्तर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर के लोगों का 50 सालों में जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम 4–5 सालों में करेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक बस्तर विकसित न हो तब तक हमारा संकल्प अधूरा होगा। इससे पहले नेतानार में शाह ने कहा कि, आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पिछले 6 महीनों के काम के बाद अब यह पूरा क्षेत्र आदिवासियों से भरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी धरा से अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ने का काम अमर शहीद गुंडाधुर ने किया था। शाह ने कहा कि एक दौर वह भी था जब यहां एक साथ 6 पुलिसवालों की हत्या कर दी जाती थी, स्कूल उजाड़ दिए जाते थे और गरीबों का राशन तक छीन लिया जाता था। नक्सलियों का खौफ ऐसा था कि वे मासूम बच्चों को उनके बचपन में ही जबरन उठा ले जाते थे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अब सरकार ने कड़े कदम उठाकर बस्तर से इस गनतंत्र को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही अब इस ऐतिहासिक धरती को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का काम शुरू किया जा रहा है। यहां के आदिवासी बच्चों को अब वे तमाम आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं, जो पहले केवल बड़े शहरों में ही मिलती थीं। अब हर गरीब परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंचाया जा रहा है, उनके राशन कार्ड और आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं और उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। नेतानार के बाद अमित शाह जगदलपुर के आसना में स्थित बादल अकादमी पहुंचे। यहां बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एनआईए, एसएसबी और एनटीआरओ के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ एडीजी विवेकानंद सिन्हा और बस्तर आईजी सुंदरराज पी का भी सम्मान किया गया। बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले जवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बातचीत की। उन्होंने बसवाराजू समेत 38 नक्सलियों के एनकाउंटर के बारे में बताया।

सोशल मीडिया पर लोगों को लुभाकर बन गए सीएम, हम समझ नहीं पाए–स्टालिन

चेन्नइ,एजेंसी। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और डीमके प्रमुख एम के स्टालिन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ टीवीके ने कोई जमीनी काम नहीं किया, बल्कि सोशल मीडिया के जरिए लोगों को प्रभावित कर विधानसभा चुनाव जीत लिया। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टालिन ने डीएमके की विभिन्न गतिविधियों का जिक्र किया।

उन्होंने पार्टी सम्मेलनों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े कामों का भी उल्लेख किया। सत्तारूढ़ टीवीके का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि डीएमके की तरह पार्टी ने कोई जमीनी तैयारी नहीं की। यहां तक कि कई जगहों पर उसने मतगणना एजेंट तक नियुक्त नहीं किए थे। स्टालिन ने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल बच्चों के जरिए परिवारों को प्रभावित करने के लिए किया गया और यह हमारी नजरों से बच गया। उन्होंने कहा कि डीएमके अब इस बात को समझ चुकी है और आगे से बेहद सतर्क रहेगी। सोशल मीडिया आधारित ऐसी रणनीतियों का मुकाबला करने के लिए पार्टी ने नई योजनाएं तैयार की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 1949 में स्थापित डीएमके ने कई चुनावी जीत और हार देखी हैं, लेकिन पार्टी हमेशा की तरह फिर से मजबूती से खड़ी हुई है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके की जीत ने सभी को चौंकाया है। खुद टीवीके की सहयोगी कांग्रेस पार्टी के नेता कार्ति चिदंबरम कह चुके हैं कि हमने थलापित विजय को कम करके आंका। स्टालिन ने कहा कि विजय की पार्टी टीवीके का प्रचार काफी मजबूत था और उनकी पार्टी इस ओर ध्यान नहीं दे पायी।

चुनाव तक सरकार ने सबकुछ छिपाकर रखा–खरगे

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में दूरदृष्टि की कमी है और उन्होंने विधानसभा चुनावों तक देश की आर्थिक स्थिति और बढ़ती महंगाई को जनता से छिपाकर रखा गया। खरगे की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार ने रविवार को सीएनजी की कीमतों में फिर से बढ़ोतरी की। पिछले एक सप्ताह में यह दूसरी बार है जब सीएनजी महंगी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। ईरान युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने से सरकारी तेल कंपनियों पर भारी दबाव पड़ रहा था। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट में कहा, अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव से पहले पेट्रोल, डीजल और दूसरी चीजों के दाम बढ़ाते, तो उन्हें भारी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ता। उन्होंने आरोप लगाया, मोदी सरकार ने चुनाव खत्म होने तक देश से सब कुछ छिपाकर रखा, लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हुए, हर चीज के दाम बढ़ा दिए गए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा सरकार और मोदी में दूरदृष्टि की कमी है, इसलिए उन्हें पहले से बढ़ती महंगाई का अंदाजा नहीं था।

प्रधानमंत्री सबसे लोकप्रिय नेता, पीएम मोदी को स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर संजय सरावगी की प्रतिक्रिया

पटना,एजेंसी। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन के सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किए जाने पर समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के काम करने का तरीका अलग है। इसलिए उन्हें स्वीडन के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। इससे यह पता चलता है कि पीएम मोदी दुनिया के देशों में कितने लोकप्रिय हैं। पीएम मोदी की नीतियों की वजह से भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। एसआईआर को लेकर एकनाथ शिंदे के बयान पर संजय सरावगी ने कहा कि सभी राज्यों में एसआईआर हो रहा है। एसआईआर के माध्यम से घुसपैठियों, मृतकों या जिनकी डबल एंट्री है, उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। इसलिए बंगाल के बाद अन्य राज्यों में भी एसआईआर शुरू हो रहा है।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और विपक्ष के अन्य नेताओं ने पेपर लीक की घटना के बाद कार्रवाई की मांग की थी।

केरल में सरकार बनते ही सीएम सतीशन ने लिए बड़े फैसले, बुजुर्ग महिलाओं और आशा कार्यकर्ताओं को दिया तोहफा

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल में सोमवार को एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। वीडी सतीशन के नेतृत्व में नई सरकार ने औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। दस साल के लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन राज्य की सत्ता में लौटा है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए तिरुवनंतपुरम में हजारों समर्थक जमा हुए। शपथ ग्रहण समारोह खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री सतीशन और उनके 21 मंत्रियों का मंत्रिमंडल लोक भवन पहुंचा। वहां केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके लिए चाय का आयोजन किया था। इस दौरान मंत्रियों ने एक–दूसरे को बधाई दी और शासन की नई जिम्मेदारियों पर चर्चा की। जब नए मंत्री पहली कैबिनेट बैठक के लिए राज्य सचिवालय के नॉर्थ ब्लॉक की ओर बढ़ रहे थे, तब शहर में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। लेकिन खराब मौसम भी समर्थकों के उत्साह को कम नहीं कर पाया। सचिवालय के बाहर खड़ी भीड़ सतीशन के नारे लगा रही थी और यूडीएफ सरकार का स्वागत कर रही थी। इस भीड़ में बड़ी संख्या में सचिवालय के कर्मचारी, पार्टी कार्यकर्ता और आम लोग शामिल थे।

भीड़ इतनी ज्यादा थी कि सुरक्षाकर्मियों को मंत्रियों को अंदर ले जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। मुख्यमंत्री सतीशन ने सबसे पहले अपने कार्यालय में प्रवेश किया। वहां उन्होंने सत्ता हस्तांतरण से जुड़ी शुरुआती फाइलों पर हस्ताक्षर किए और आधिकारिक रूप से अपना पद संभाला। मुख्यमंत्री के औपचारिकताएं पूरी करने के दौरान उनके सभी कैबिनेट सहयोगी पास के मीटिंग हॉल में जमा हो गए।

साहित्यकारों ने बताया प्रकृति चेतना की अनूठी कृति

प्रयागराज। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र एवं लिटरेरी क्लब (इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा) के संयुक्त तत्त्वावधान में डॉ० प्रदीप कुमार चित्रांशी की कृति 'मैं आम हूँ' का लोकार्पण समारोह खुसरोबाग के खुले प्रांगण में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य, प्रकृति, शिक्षा एवं समाज से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्यान प्रभारी विजय किशोर सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण प्रकाश, अनवार अब्बास नकवी, प्रो० अनिरुद्ध नारायण, विजय किशोर सिंह एवं संतोष कुमार प्रीत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रो० रवि मिश्रा ने किया। स्वागत साक़िब बादल ने तथा आभार संगीता श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। संयोजक डॉ० राहुल शुक्ल रहे।

अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित करने के पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई तथा संस्था की ओर से सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए रचनाकार डॉ० प्रदीप कुमार चित्रांशी को प्रकृति प्रेमी साहित्यकार बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में सहभागिता पूर्व नियोजित प्रारब्ध का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एक सच्चे साहित्यकार के लिए ऐसा कोई विषय नहीं होता, जिसका उसे ज्ञान न हो। उन्होंने प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य का शरीर और पेड़–पौधों का अस्तित्व समान रूप से पंचतत्वों से निर्मित है तथा इन सभी को धरती माँ एक सूत्र में जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति से लगाव वास्तव में अपने अस्तित्व से लगाव है। पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए आर्गेनिक खाद एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की सलाह दी।

कार्यक्रम में विजय किशोर सिंह ने कहा कि इस पुस्तक विमोचन समारोह में प्रकृति, तकनीक, साहित्य और समाज से जुड़े विविध क्षेत्रों के विद्वान एवं प्रकृति प्रेमी एक साथ उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि "मैं आम हूँ" जैसी कृतियाँ प्रकृति और साहित्य के सुंदर समन्वय को समाज के सामने प्रस्तुत करती हैं। इस अवसर पर उन्होंने आम्रपाली आम की विशेष चर्चा करते हुए उसकी गुणवत्ता, मिठास और विशिष्ट पहचान का उल्लेख किया।

रचनाकार प्रदीप कुमार चित्रांशी ने कहा कि जिस प्रकार बसंत ऋतुओं का राजा है, उसी प्रकार आम फलों का राजा है और एक राजा ही दूसरे राजा का स्वागत कर सकता है। उन्होंने बताया कि उनकी कृति "मैं आम हूँ" केवल आम पर आधारित पुस्तक नहीं, बल्कि प्रकृति, पेड़–पौधों और मानव संवेदनाओं के आत्मीय संबंधों की अभिव्यक्ति है। पुस्तक में आम के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व का शोधपरक वर्णन किया गया है तथा कुंडलिया छंद के माध्यम से आम की विभिन्न प्रजातियों को साहित्यिक रूप में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने अपने प्रकृति प्रेम और पेड़–पौधों से संवाद के अनुभवों को भी पुस्तक की प्रेरणा बताया।

मारूफ़ शायर अनवार अब्बास नकवी ने कहा कि आम एक बार पुनः साहित्य का हिस्सा बन रहा है और यह ऐसे व्यक्तित्वों के साथ जुड़ रहा है, जिन्होंने इतिहास एवं समाज को अपनी महत्वपूर्ण देन दी है। उन्होंने कहा कि "मैं आम हूँ" जैसी कृतियाँ प्रकृति, संस्कृति और साहित्य के बीच नई चेतना स्थापित करती हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मनुष्य दूसरों की भावनाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप स्वयं में मिठास नहीं लाता, तब तक उसके व्यक्तित्व में पूर्णता नहीं आ सकती। उन्होंने डॉ० प्रदीप चित्रांशी को प्रकृति प्रेमी साहित्यकार बताते हुए उनकी संवेदनशील लेखनी की सराहना की।

साहित्यिक संस्था विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत के अध्यक्ष संतोष कुमार प्रीत ने विशिष्ट मंच का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "मैं आम हूँ" केवल आम की आत्मकथा नहीं, बल्कि जीवन दर्शन की संवेदनशील अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सार्थकता दूसरों के लिए उपयोगी बनने में है और ठीक उसी प्रकार आम का वृक्ष भी अपने फल देकर समाज को आनंद, पोषण और उपयोगिता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि समाज के लिए मार्गदर्शक होता है। इस पुस्तक में साहित्य की सरसता, इतिहास की गहराई, संस्कृति की सुगंध और जीवन दर्शन की मधुरता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

विशिष्ट अतिथि अरुण प्रकाश ने आम्रपाली आम की विशेष चर्चा करते हुए उसे सबसे उत्कृष्ट आम बताया तथा पुस्तक को प्रकृति और साहित्य का अनूठा संगम कहा।

पुस्तक के प्रकाशक रंजन पाण्डेय ने कहा कि "मैं आम हूँ" पुस्तक को आम की 50 से अधिक किस्मों पर आधारित अनुभवात्मक प्रस्तुति विशिष्ट बनाती है। पुस्तक में आम की मिठास, उसके ऐतिहासिक महत्व तथा प्रत्येक आम की प्रजाति का संक्षिप्त परिचय अत्यंत रोचक ढंग से दिया गया है। साथ ही प्रत्येक आम पर दो–दो कुंडलिया छंद रचे गए हैं, जो इस कृति को साहित्य और प्रकृति का अनूठा संगम बनाते हैं।

प्रो० अनिरुद्ध नारायण ने "मैं आम हूँ" को एक विशिष्ट प्राकृतिक एवं साहित्यिक कृति बताते हुए कहा कि यह पुस्तक केवल आम के विविध स्वरूपों का परिचय नहीं कराती, बल्कि पाठकों को प्रकृति और जीवन के गहरे अनुभवों से भी जोड़ती है। उन्होंने कहा कि यह कृति प्रकृति, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करती है तथा साहित्य के माध्यम से प्रकृति संरक्षण एवं मानवीय मूल्यों के प्रति नई चेतना उत्पन्न करती है।

इस अवसर पर कानपुर के युवा कवि दया शंकर मिश्र, वाराणसी के राम जतन पाल के साथ शहर के करुणा शंकर, राजेश मलिक, दिनेश अग्रवाल, हरीश त्रिपाठी, कमलापति, प्रीता वाचपेयी, डॉ ऊषा मिश्रा, रचना सक्सेना, डॉ अनीता श्रीवास्तव, आर के कशवाहा सहित अनेक साहित्यकार, शायर, रचनाधर्मी, प्रकृति एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

ग्रीन वैली में तीन दिन से आपूर्ति ठप, कई बार जला ट्रांसफॉर्मर

प्रयागराज। झलवा स्थित ट्रिपलआईटी के पास ग्रीन वैली कॉलोनी में 15 मई को ट्रांसफॉर्मर जलने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। विभाग ने ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत कर आपूर्ति बहाल की लेकिन एक से दो घंटे बाद ही ट्रांसफॉर्मर जल गया। इसके बाद 16 मई को एक बार फिर से ट्रांसफॉर्मर में खराबी आने से पूरे

इलाके की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। रविवार 17 मई की रात तक बिजली विभाग ने ट्रॉली ट्रांसफॉर्मर लगाकर आपूर्ति बहाल की। लगातार तीन दिनों तक बिजली नहीं रहने से कॉलोनी में रहने वाले लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। इससे सबसे ज्यादा परेशानी पानी को लेकर हुई। स्थानीय निवासी महेश सिंह का कहना है कि तीन दिनों से लोग पानी के लिए तरस गए हैं। भीषण गर्मी में बिजली और पानी दोनों की समस्या ने लोगों की दुर्दशा बढ़ा दी है। विभाग का कोई भी अधिकारी जवाब नहीं दे रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

तीन दिन से लगातार बिजली नहीं है। ट्रांसफॉर्मर कई बार जल चुका है। विभाग स्थायी समाधान नहीं कर पा रहा। सबसे ज्यादा दिक्कत पानी को लेकर हो रही है। छोटे बच्चे और बुजुर्ग बेहद परेशान हैं – शैलेश कुमार, स्थानीय निवासी ग्रीन वैली कॉलोनी

भीषण गर्मी में बिना बिजली के रहना मुश्किल हो गया है। हम लोग तीन दिनों से ठीक से सो नहीं पाए हैं। पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है और लोगों को बाहर से पानी मंगवाना पड़ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है – सुधीर शुक्ला, स्थानीय निवासी ग्रीन वैली कॉलोनी

धोखाधड़ी से बचाएगा जनगणना कर्मियों के आईडी कार्ड पर लगा बार कोड

प्रयागराज। जनगणना–2027 के तहत मकानों के सूचीकरण व गणना की प्रक्रिया 22 मई से शुरू होने जा रही है। इस दौरान प्रगणक घर–घर जाएंगे और डिजिटल रूप से मकानों का सूचीकरण व गणना करेंगे। प्रगणक की विश्वसनीयता बनी रहे, इसके लिए उनके आईडी कार्ड पर बार कोड भी होगा।

इस बार कोड को स्कैन कर जनगणनाकर्मी की सटीक पहचान की जा सकेगी। दरअसल, इन दिनों डिजिटल फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़े हैं। बीते दिनों पेंशनरों की ओर से ऑनलाइन लाइफ सर्टिफिकेट जमा किए जाने की प्रक्रिया के दौरान भी डिजिटल फ्रॉड के कुछ मामले सामने आए थे। एसआईआर के दौरान भी इस तरह की शिकायतें सामने आई थीं।

डिजिटल फ्रॉड पर प्रभावी रोक के लिए इस बार जनगणना कर्मियों को ऐसे आईडी कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जिनपर बार कोड होगा। जनगणनाकर्मी के घर पहुंचने पर लोग आईडी कार्ड के बार कोड को अपने मोबाइल से स्कैन कर यह पता लगा सकेंगे कि जनगणनाकर्मी किस विभाग से और किस पद पर तैनात है। स्कैन करने पर नाम सहित अन्य जरूरी जानकारी भी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर आ जाएगी।

जो लोग 21 मई या इससे पहले ऑनलाइन स्व–गणना की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे, उन्हें ओपीटी नंबर मिल जाएगा। जनगणनाकर्मी के घर आने पर ओटीपी नंबर बताना होगा, जिसके माध्यम से जनगणनाकर्मी सत्यापन कर गणना की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। इससे जनगणना कर्मियों के साथ स्व–गणना कर चुके लोगों के समय की भी बचत होगी। प्रयागराज में अब तक 32 हजार लोग पोर्टल https://se.census.gov.in पर स्व–गणना कर चुके हैं। यह प्रक्रिया 21 मई तक चलेगी। यदि स्व–गणना के संबंध में किसी प्रकार की समस्या आती है तो टोल फ्री नंबर 1855 पर संपर्क किया जा सकता है।

राह इतनी ऊबड़-खाबड़... नाम रख दिया लंगड़ा गली

प्रयागराज। ऊबड़–खाबड़ राह चलनी इतनी मुश्किल हुई कि बेनीगंज वार्ड–74 की एक गली का नाम ही स्थानीय लोगों ने 'लंगड़ा गली' रखा दिया। यहां एक कदम भी सीधा चलना मुश्किल है। इसके बावजूद इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं।

गली में जगह–जगह छोटे–बड़े गड्ढे हो गए हैं। थोड़ी–थोड़ी दूरी पर ढाल आ जाती है। हालत यह है कि यहां ठेकेदारों ने सीवर लाइन डालने तक से मना कर दिया है। करीब 15 फीट चौड़ी और 250 मीटर लंबी इस गली के लोग नगर निगम की अनदेखी से आहत हैं। यहां करीब 60 घर हैं। आए दिन कोई न कोई क्षतिग्रस्त मार्ग की वजह से चोटिल होता रहता है। यहां बिजली के खंभे तक नहीं लगे थे। हाल ही में स्थानीय लोगों ने चंदा इकट्ठा करके कुछ खंभे लगवाए। गली की स्थिति बेहद खराब होने की वजह से ही जलकल विभाग ने सीवर लाइन डालने से मना कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब सीवर लाइन नहीं पड़ सकती है तो सीवर टैक्स क्यों लिया जाता है।

खराब हालत की वजह से लोगों ने लंगड़ा गली नाम रख दिया है। कई बार शिकायत करने के बाद भी यहां की कच्ची सड़क नहीं बन सकी। –दिग्विजय सिंह, पार्षद, बेनीगंज

अजहरुद्दीन हत्याकांड मामले के आरोपियों ने झूंसी में किया सरेंडर, एसओजी टीम नैनी लेकर रवाना

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मडौका रोड स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर की जमीन के विवाद को लेकर रविवार दोपहर ऑफिस के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी कार से फरार हो गए थे।

अजहरुद्दीन हत्याकांड मामले में फरार चल रहे बृजेश, अरविंद सहित दो अन्य ने झूंसी थाना में रविवार को सरेंडर कर दिया। एसओजी चारों आरोपियों को लेकर नैनी पहुंच गई है। आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मडौका रोड स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर की जमीन के विवाद को लेकर रविवार दोपहर ऑफिस के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद आरोपी कार से फरार हो गए थे।

एक वीडियो बनाकर आरोपियों ने अतरसुइया थाने में सरेंडर का वीडियो वायरल किया तब पुलिस को घटना की जानकारी हुई, हालांकि आरोपी चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस रात भर उनकी खोजबीन करती रही, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। आरोपियों ने दूसरे दिन सोमवार को झूंसी में पहुंचकर सरेंडर किया।

महेवा पूरब पट्टी निवासी अजहरुद्दीन (38) पुत्र बदरुद्दीन

उर्फ बुद्धु प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। परिजनों के अनुसार रविवार दोपहर वह घर से निकला था। कुछ देर बाद करीब डेढ़ घंटे बाद परिवार वालों को सूचना मिली की उसे गोली मार दी गई है। सूचना पर परिवार वाले मड़ौका रोड स्थित लगन बिहार गेस्ट हाउस के पास महेवा निवास अरविंद भारती के ऑफिस पहुंचे, लेकिन पुलिस उसके पहले ही उसके शव को वहां से पीएम हाउस भेज चुकी थी।

पुलिस ने कार्यालय व आस–पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला तो घटना के बाद कार से चार लोग वहां से भागते हुए नजर आए। वहीं कार्यालय के अंदर से पुलिस को एक तमंचा व कारतूस मिला है। घटना के पीछे जमीन का विवाद बताया जा रहा है। विवाद को लेकर ही कार्यालय में बातचीत हो रही थी, इसी दौरान अजहरुद्दीन को गोली मार दी गई। घटना के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बृजेश नामक एक युवक खुद की पहचान को बताते हुए अपने साथ अरविंद, प्रिंस और उपेंद्र को अतरसुईया थाने में सरेंडर की बात कर रहा था। एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि जांच में जमीन का विवाद सामने आ रहा है। घटना जिस कार्यालय में हुई वह अरविंद का है। सीसीटीवी फुटेज में कार से कुछ लोग जाते हुए दिखे।

राजधानी एक्सप्रेस में आग की घटना के बाद रेलवे सख्त, एनसीआर सभी कोचों की करेगा जांच

प्रयागराज। कोटा मंडल के नागदा के पास रविवार तड़के त्रिवेंद्रम–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में हुई अग्नि दुर्घटना के बाद उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है।

कोटा मंडल के नागदा के पास रविवार तड़के त्रिवेंद्रम–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में हुई अग्नि दुर्घटना के बाद उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। रेलवे ने भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरे रेल नेटवर्क में कोचों की अग्नि सुरक्षा प्रणालियों और परिचालन प्रोटोकॉल की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है।

रविवार सुबह लगभग 05रू15 बजे जब ट्रेन संख्या 12431 त्रिवेंद्रम–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस नागदा के पास से गुजर रही थी, तभी उसके पीछे के दो कोच में अचानक आग लग गई। सुबह के वक्त हुए इस हादसे से यात्रियों में हड़कंप मच गया, लेकिन रेलवे की मुस्तैदी और त्वरित एक्शन की वजह से समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा बच गया।

इस घटना से सबक लेते हुए उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी ट्रेनों के कोचों की नए सिरे से गहन जांच करने का निर्णय लिया है। इसके तहत ट्रेनों में लगे फायर एक्स्टिंग्विशर, इलेक्ट्रिकल वायरिंग और इमरजेंसी एग्जिट की बारीकी से चेकिंग की जाएगी ताकि तकनीकी खामियों को दूर किया जा सके।

रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूरे देश के रेल नेटवर्क का एहतियाती ऑडिट भी होगा, ताकि यात्रियों का सफर पूरी तरह सुरक्षित और बाधा रहित बनाया जा सके। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दिन में भट्ठी जैसी रही तपन...रात में भी गर्म हवाओं ने छीना सुकून

प्रयागराज। गर्म हवाओं के थपेड़े दिन का चौन ही नहीं, बल्कि रातों की नींद भी छीन रहे हैं। दिन में भट्ठी जैसी तपिश झुलसा रही है तो रात में भी गर्मी सुकून नहीं लेने दे रही है। आसमान से बरसती आग की वजह से दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है।

गर्म हवाओं के थपेड़े दिन का चौन ही नहीं, बल्कि रातों की नींद भी छीन रहे हैं। दिन में भट्ठी जैसी तपिश झुलसा रही है तो रात में भी गर्मी सुकून नहीं लेने दे रही है। आसमान से बरसती आग की वजह से दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। वहीं, दिन ढलने के बाद भी पसीना सूखने का नाम नहीं ले रहा है। आलम यह है कि घर के पंखे व कूलर भी हांफने लगे हैं।

शनिवार की अपेक्षा रविवार को अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सुबह से ही गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ाना शुरू कर दिया। सुबह 10 बजे के बाद लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। तेज धूप की वजह से सड़कें भट्ठी की तरह तपती रहीं। लोगों का एक मिनट भी धूप में खड़े होना मुश्किल था। गर्मी का प्रकोप हर 24 घंटे में बढ़ रहा है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से सात दिन तक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहेगा। इसके अलावा न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

1– प्यास न लगने पर भी हर 15 से 30 मिनट के अंतराल में थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहें।

2– सादे पानी के अलावा नींबू पानी, ओआरएस, नारियल पानी, लस्सी और छाछ का नियमित सेवन करें।

3– भारी और ज्यादा तेल–मसाले वाले भोजन से परहेज करें।

4– मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूजा, खीरा और ककड़ी का अधिक सेवन करें। इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है।

5– धूप में निकलने से पहले अच्छी क्वालिटी के सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। आंखों के बचाव के लिए धूप के चश्मे (सनग्लासेस) और छाते का प्रयोग करें।

गर्मी से बचाव के देसी नुस्खे

घर से बाहर निकलते समय अपनी जेब में प्याज का एक छोटा टुकड़ा जरूर रखें। यह गर्म हवाओं से बचाव में मदद करता है। इसके अलावा कच्चे आम का पना भी शरीर को ठंडक देने में बहुत फायदेमंद होता है। बच्चों, बुजुर्गों और पालतू जानवरों को कभी भी धूप में खड़ीं बंद गाड़ियों में अकेला न छोड़ें।

3 भाइयों को रातभर थाने में बिठाए रखने पर थाना प्रभारी निलंबित

प्रयागराज। घूरपुर थाने में एक नाबालिग समेत तीन सगे भाइयों को रात भर बिठाने और एक पक्षीय कार्रवाई करने के आरोप में थाना प्रभारी दिनेश सिंह को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि एक गांव के प्रधान पक्ष से जुड़े विवाद में पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय शिकायतकर्ता परिवार के तीन बेटों को पूरी रात थाने में बिठाए रखा। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार के आदेश पर कार्रवाई की गई है। साथ ही थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। पीड़ित पक्ष के कमलेश विश्वकर्मा के अनुसार, प्रधान के बेटों से मारपीट के विवाद के बाद शनिवार रात करीब 12.30 बजे पुलिस उनके तीन बेटों को थाने ले गई। इनमें एक नाबालिग और दो बालिग बेटे शामिल थे। आरोप है कि तीनों को पूरी रात थाने में रखा गया और सुबह छोड़ दिया गया। आरोप लगाया कि थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने मामले में एक पक्ष का समर्थन किया और बिना पर्याप्त आधार के तीनों को हिरासत में रखा। घटना की शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुंचने के बाद मामला गंभीर हो गया। सूत्रों के मुताबिक, पीड़ित के करीबी रक्षा मंत्रालय में कार्यरत एक अधिकारी की ओर से भी मामले की शिकायत की गई थी। इसके बाद पुलिस तीनों भाइयों को घर छोड़ने पहुंची।

सरेंडर का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस को हुई वारदात की जानकारी

प्रयागराज। प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की जानकारी पुलिस को तब हुई जब अतरसुइया थाने में चार लोगों के सरेंडर करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद घटना स्थल पर मामा भांजा व एग्रीकल्चर चौकी पुलिस पहुंची। मौके से शव को छोटा हाथी में लादकर हटा दिया गया।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की जानकारी पुलिस को तब हुई जब अतरसुइया थाने में चार लोगों के सरेंडर करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद घटना स्थल पर मामा भांजा व एग्रीकल्चर चौकी पुलिस पहुंची। मौके से शव को छोटा हाथी में लादकर हटा दिया गया।

पास के एक दुकानदार ने बताया कि पुलिस जब वहां पहुंची तो सन्नाटा था। शव ले जाने के दौरान आसपास के लोगों को जानकारी हुई। भीड़ जुटने से पहले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। करीब आधे घंटे बाद पुलिस के अधिकारी व मृतक के परिजन पहुंचे। जिस ऑफिस में हत्या हुई वहां दीवार और जमीन पर खून व मांस के टुकड़े पड़े मिले। हालांकि पुलिस ने किसी को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। शव को ले जाते समय मौजूद रहे एक युवक ने बताया कि मृतक के शरीर में सीने, पेट के नीचे और सिर पर निशान थे।

एक भूखंड की बिक्री के पैसे के बंटवारे को लेकर था विवाद

वारदात के बाद मौके पर जुटी भीड़ में चर्चा थी कि ऑफिस के पास ही एक भूखंड में अजहरुद्दीन, अरविंद व अन्य ने पैसा लगाया था। यह प्रॉपर्टी एक माह पहले बिकी थी लेकिन पैसे के बंटवारे को लेकर पार्टनरों में विवाद चल रहा था। इसी को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

घटना स्थल के पास ही अरविंद के रिश्तेदार का है वार्शिंग सेंटर

जहां प्रॉपर्टी डीलर की हत्या हुई वहीं पास में अरविंद के रिश्तेदार का कार वॉशिंग सेंटर भी है। घटना के बाद इस सेंटर का संचालक वहां नहीं मिला। आसपास के लोगों ने बताया कि सरेंडर का जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें वॉशिंग सेंटर चलाने वाले का भी नाम है। अरविंद मूलरूप से गंगापार का रहने वाला बताया जा रहा है। वह यहां 15 साल पहले आया और जूते–चप्पल की दुकान से धीरे–धीरे प्रॉपर्टी के काम में लग गया। मड़ौका व महेवा के आसपास अरविंद व उसके साथियों ने प्लाटिंग के कई काम किए गए हैं।

कंपनी के दिए नंबर पर किया संपर्क, लग गई 90 हजार की चपत

प्रयागराज। वाटर कूलर की सर्विस के लिए कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए नंबर पर संपर्क करने पर सिपाही को 90 हजार रुपये की चपत लगा दी गई। अभियोजन कार्यालय में तैनात सिपाही अनिल कुमार चौधरी ने अपनी बेटी के लिए वाटर कूलर खरीदा था। उन्होंने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले कूलर खराब हो गया। उन्होंने कंपनी की ओर से दिए गए बिल और इसके लिफाफे पर लिखे मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को कंपनी का कर्मचारी बताकर कहा कि उनका मैकेनिक कुछ देर में संपर्क करेगा। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से फोन आया। खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए फोन करने वाले ने कहा कि कूलर की गारंटी खत्म हो चुकी है और गारंटी बढ़ाने के लिए एक लिंक भेजा जा रहा है, इसमें सभी जानकारी भरनी होगी। लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल की स्क्रीन ब्लैंक हो गई और फोन कुछ समय के लिए हैंग हो गया। थोड़ी देर बाद मोबाइल सामान्य हुआ तो खाते से 90 हजार रुपये उड़ चुके थे। ठगी के बाद उन्होंने तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद रकम वापस नहीं मिली तो उन्होंने साइबर क्राइम थाने में लिखित तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करा दी।

इन बातों का रखें ध्यान

– गूगल पर दिख रहे अनजान मोबाइल नंबरों पर संपर्क न करें।

– किसी के साथ ओटीपी, बैंक डिटेल साझा न करें। स्क्रीन शेयरिंग से भी बचें।

– संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत काट दें और सत्यापन करें।

– ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

इविवि के छात्रावास में देर रात बमबाजी और पत्थरबाजी से छात्रों में दहशत

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पीसीबी और सर सुंदर लाल छात्रावास में आए दिन देर रात हो रही बमबाजी, पत्थरबाजी और मारपीट की घटनाओं से छात्रों में दहशत है। लगातार हो रहे उपद्रव के बाद इविवि प्रशासन ने छात्र आयुष कुमार, हिमांशु त्रिपाठी, गोविंद कुमार, आदित्य यादव, कन्हैया, जय शंकर चंदेल, प्रवीण यादव, अंशुमान तिवारी, रिंकू कुमार, ओम गौड़, अरिहंत चौरसिया और शिवांश सिंह के खिलाफ कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इविवि के कुलानुशासक डॉ. अतुल नारायण सिंह के मुताबिक, मूलरूप से अंबेडकरनगर के सुकरौली निवासी ओम गौड़ पीसीबी छात्रावास का पूर्व अंतरूवासी है। आरोप है कि वह पिछले कई दिनों से पीसीबी छात्रावास के बीए प्रथम वर्ष के छात्रों को उकसा कर उनके साथ रोजाना देर रात सर सुंदर लाल छात्रावास व सड़क पर बमबाजी, पत्थरबाजी और गालीगलौज कर मारपीट की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। इससे छात्रावास में तनाव और असुरक्षा का माहौल है। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से छात्रों की पहचान की गई है। इसमें प्रथम वर्ष के तीन छात्र शामिल हैं। आरोप है कि कक्ष संख्या–88 में अवैध रूप से रह रहा अंकित नाम का युवक देर रात होने वाली पत्थरबाजी और बमबाजी की घटनाओं का नेतृत्व कर रहा था। छात्रावास में रहने वाले छात्रों ने उसे संरक्षण दे रखा है। एसएसएल छात्रावास के कुछ छात्रों के नाम भी शिकायत में सामने आए हैं।

एफआईआर के मुताबिक, सर सुंदर लाल छात्रावास में भी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छात्रों और एक बाहरी युवक की पहचान की गई है। इविवि प्रशासन ने चिंता जताई है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो परिसर में कोई बड़ी घटना हो सकती है। छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दुरुस्त होंगी राजरूपपुर की सड़कें, बजट जारी

प्रयागराज। नगर निगम ने राजरूपपुर की तीन सड़कों के निर्माण को 15वें वित्त के कार्यों में शामिल किया है। जल्द इनके निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित करने की तैयारी है। अमर उजाला के वार्ड संवाद में जागृति चौराहे से ताज मेडिकल तिराहे तक, ताज मेडिकल से मुजफ्फर बालू तिराहे तक व 120 फीट ट्रिपलआईटी के नंदी चौराहे से लेकर वीर अब्दुल हमीद तिराहे तक की सड़क के मुद्दे को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था।

इन सड़कों को 15वें वित्त में शामिल करने से लोगों को काफी राहत मिली है। सड़कों का निर्माण होने के बाद स्थानीय लोगों की परेशानी दूर होगी। –मिथलेश सिंह, पार्षद

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी मातृ दिवस के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई मई माह की काव्य गोष्ठी मातृ दिवस के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा.मिश्रा श्रीतिश की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी

की मुख्य अतिथि डॉ साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि अनीता दुबे। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना प्रभा तिवारी के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रुति चौधरी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर प्रस्तुति दी। शोभा रानी तिवारी, नीति अग्निहोत्री सुषमा शुक्ला, संतोष तोषनिवाल, लता सेन डॉक्टर शशी निगम, सीता सेन, प्रेरणा सेन्द्रे, उषा यादव और गायत्री शर्मा आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन आशा जाकड ने किया।

बंगाईगांव में हिन्दी के छात्रों हेतु सम्मान समारोह

बंगाईगांव। हिन्दी साहित्य संगठन, बंगाईगांव द्वारा बंगाईगांव जिला के उन छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाए। इस मानदंड को पूरा करने वाले कुल 24 बच्चों को संगठन ने सम्मानित किया। नेताजी हिंदी विद्यापीठ, न्यू बंगाईगांव में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के अलावा उनके अभिभावक और कई सम्मानित व्यक्ति शामिल थे। संगठन के अध्यक्ष श्री

विनय कुमार 'बुद्ध' और सचिव मानव दे ने बताया कि यह सम्मान का तीसरा वर्ष है। इन तीन सम्मान समारोह में अब तक कुल 180 प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। यह पुनीत कार्य आगे भी जारी रहेगा साथ हीं भविष्य में होनहार छात्रों के लिए कोचिंग क्लास का आयोजन किया जाएगा। जिससे वे प्रतियोगिता परीक्षा में सफल हो सके। कार्यक्रम की शुरुआत प्रशिक्षण सचिव मयदान अली अहमद द्वारा फीता काट कर किया गया। संगठन के अध्यक्ष श्री विनय कुमार श्बुद्धश द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद संचालन का जिम्मा संभाल रहे रूपा शर्मा और अंकिता रॉय ने अतिथियों का स्वागत किया और संगठन के इतिहास पर रोशनी डाली। अपने उद्बोधन में उपाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल कुमार गुप्ता और अमोद कुमार ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद अर्पित किया और उनका हौसला बढ़ाया। फिर बारी–बारी से सभी बच्चों को सम्मानित किया गया। कुछ बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य भी पेश की गई, जिसका दर्शकों ने आनंद उठाया। संगठन सहायक सचिव सौरभ कुमार मंडल ने अपनी सक्रियता से कार्यक्रम को सफल बनाया।

यूपी बनेगा और पावरफुल 2400 मेगावाट की नई तापीय परियोजना मंजूर, मिलेगी सस्ती और पर्याप्त बिजली

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। प्रदेश सरकार ने 3 गुणा 800 मेगावाट क्षमता की नई तापीय ऊर्जा परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।2400 मेगावाट क्षमता वाली परियोजना की लागत लगभग 38,358 करोड़ होगी। इस परियोजना को प्रदेश सरकार

एवं एनटीपीसी के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से स्थापित और संचालित किया जाएगा। प्रदेश में भविष्य की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए 765ध्400 केवी मीरजापुर पूलिंग उपकेंद्र एआईएसएवं सम्बन्धित पारेषण लाइनों के निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। इस परियोजना के माध्यम से विभिन्न तापीय एवं पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं से उत्पादित विद्युत के सुचारु निर्गमन को सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे प्रदेश की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बनेगी।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में प्रदेश में 4000 मेगावाट की नई तापीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई है, जिससे प्रदेश की तापीय ऊर्जा क्षमता लगभग दोगुनी हो चुकी है।

भयहरणनाथ धाम में मेला कंट्रोल रूम से हो रहा अधिक मास मेले का प्रबन्धन

थानाध्यक्ष ने नगर पंचायत व प्रबंध समिति के साथ मेला प्रबंधन पर बनाई रणनीति
20 मई के चिन्हांकन को लेकर भी हुई चर्चा, सुरक्षा रहेगी चाक–चौबंद

प्रतापगढ़। बाबा भयहरणनाथ धाम में 17 मई से शुरू हुए 1 माह के मलमास मेले का प्रबंधन 'मेला कंट्रोल रूम' से किया जा रहा है। लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

'थानाध्यक्ष जेठवारा' ने रविवार को नगर पंचायत प्रतिनिधि, पुलिस चौकी प्रभारी एवं भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की प्रबंध समिति के साथ बैठक कर मेला प्रबंधन की रणनीति तय की।

बैठक में भीड़ नियंत्रण, यातायात, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं साफ–सफाई पर विस्तृत चर्चा हुई।

20 मई के चिन्हांकन पर विशेष फोकस

बैठक में '20 मई 2026' को नायब तहसीलदार सदर के नेतृत्व में होने वाले धाम की भूमि के स्थाई चिन्हांकन पर भी चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि चिन्हांकन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल

तैनात रहेगा। 6 मार्च जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कंट्रोल रूम से पूरे मेले की निगरानी की जाएगी।

महासचिव समाज शेखर ने बताया' कि पुलिस बल व राजस्व टीम के नाश्ते–भोजन की व्यवस्था पर्यटक सुविधा केंद्र में व्यवस्था समिति द्वारा की गई है। मेला समिति के शत्रुघन सिंह, मनिराम राम पटेल, मुरली पांडेय व मेला उप संयोजक बुद्धि प्रकाश द्विवेदी कार्यालय प्रभारी व चौकी प्रभारी के साथ समन्वय करेंगे।

कंट्रोल रूम से 24 घंटे निगरानी

मेला कंट्रोल रूम में नगर पंचायत, पुलिस व संस्थान के प्रतिनिधि 24 घंटे मौजूद रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित व्यवस्था की गई है।

अवैध खनन को लेकर अखिलेश ने भाजपा पर बोला करारा हमला, कहा, बांदा को साजिश के तहत खत्म कर रही है भाजपा सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बांदा में कथित अवैध खनन को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। बांदावासियों के नाम जारी एक भावुक अपील में उन्होने कहा कि निर्मम उत्खनन के कारण बांदा को साजिशन खत्म किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, ष्अगर शोषण–दोहन यूँ ही जारी रहा तो एक दिन दुनिया कहेगीरू एक था बांदा। अखिलेश यादव ने कहा कि आज की धन लोभी भाजपा सरकार और उनके पालित–पोषित लालची ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे उत्खनन से बांदा मिटाया जा रहा है और दूसरी जगहों को बसाया जा रहा है। इस प्राकृतिक उत्पीड़न के कारण स्थानीय पैदावार चक्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सपा प्रमुख ने कहा कि काम–कारोबार की कमी से लोग पलायन कर रहे हैं। इससे बांदा प्राकृतिक पलायन का शिकार हो रहा है। इसका असर यह हुआ है कि बांदा की हर संपत्ति का मूल्य घट रहा है और मान भी। सपा प्रमुख ने बांदा के प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व ऐतिहासिक गौरव और पर्यटन को बचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिक, पत्रकार, पर्यावरण संरक्षक, छात्र–युवा संगठन, महिला शक्ति, सांस्कृतिक–साहित्यिक आंदोलनकारी व सामाजिक सरोकारों

से जुड़ी हस्तियां, क्लब और सोसाइटियां राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट हों। अखिलेश ने चेताया कि अगर अभी सक्रिय नहीं हुए तो पर्यावरण के नक्शे पर बांदा कहीं नहीं दिखेगा और अपना सामाजिक–आर्थिक महत्व भी हमेशा के लिए खो देगा।

कार्यकाल बढ़ाने के लिए धरने पर बैठे ग्राम प्रधानों को डिप्टी सीएम ने खिलाई मिठाई

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल अगले सप्ताह पूरा हो रहा है। आरक्षण प्रक्रिया के कारण चुनाव आगे बढ़ेगा। चुनाव न होने तक पंचायतों में प्रशासक नियुक्त करने की हलचल है। उधर, ग्राम प्रधानों की तरफ से कार्यकाल बढ़ाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसी क्रम में सैकड़ों ग्राम प्रधान, राजधानी लखनऊ पहुंचकर धरने पर बैठ गए हैं। सोमवार को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा के पास प्रधानों का धरना चल रहा था। उप–मुख्यमंत्री बृजेश पाठक प्रधानों के बीच पहुंच गए। भयंकर गर्मी थी। डिप्टी सीएम ने प्रधानों का हालचाल जाना। उनकी मांग सुनी। पानी पिलवाया और मिठाई खिलाई। आश्वस्त किया कि उनकी मांग पहुंचा दी जाएगी। सोमवार को ही यूपी कैबिनेट ने पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंजूरी दी है। दरअसल, पंचायतों में आरक्षण प्रक्रिया लागू होनी है। चूंकि अभी तक आयोग ही गठित नहीं हुआ था। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिली है तो पिछड़ा वर्ग आयोग गठित होगा और छह महीने के अंदर यह अपनी रिपोर्ट देगा। उसी आधार पर पंचायतों में आरक्षण प्रक्रिया लागू होगी। हालांकि पंचायत चुनाव से जुड़ा मामला अभी कोर्ट में भी विचाराधीन है। बहरहाल, प्रधान कार्यकाल बढ़ाने की मांग उठाए हैं। उधर, शासन स्तर पर पंचायतों में प्रशासक नियुक्त करने पर मंथन की बातें सामने आ रही हैं। सनद रहे कि यूपी में 26 मई को ग्राम प्रधानों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसी के साथ जिला पंचायत सदस्य और क्षेत्र पंचायतों सदस्यों का भी कार्यकाल समाप्त हो रहा है। बीच में, यूपी के गांव–गांव त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां जोर–शोर से चल रही थीं। प्रत्याशी भी पूरी दमखम झोंकने लगे थे। लेकिन अभी पंचायत चुनाव टलने पर गांवों की सियासत फिर से शांत होने लगी है।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, यूपी के छोटे गांवों तक बसों का संचालन

80 बसों में सफर कर रहे ग्रामीण, 70 जिलों में बस संचालन के लिए 858 आवेदन स्वीकार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ग्रामीण इलाकों में परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना' पर गंभीरता से ध्यान दे रही है। इसका उद्देश्य छोटे से छोटे गांव तक बसों की पहुंच को बढ़ाना है। राज्य सड़क परिवहन निगम यूपीएसआरटीसी ने तैयारी को तेज कर दिया है। इस योजना के तहत 80 बसों को संचालन शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश में 59 हजार से अधिक ग्राम सभाओं को बस सेवा से जोड़ने के लिए सरकार और निगम तेजी से काम कर रहा है। योजना के तहत ग्रामीणों के लिए बस सेवा को ब्लॉक, ग्राम पंचायत, तहसील और जिला मुख्यालय तक जोड़ा जाना हैयूपीएसआरटीसी सहायक प्रबंधक उमेश आर्य ने बताया कि अब तक 70 जिलों के लिए 858 बस ऑपरेटरों के आवेदन चयनित हो चुके हैं। ग्रामीण इलाकों में 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना' के तहत लगभग 80 बसों का संचालन शुरू हो गया है अधिकतम 28 सीटों वाली मिनी बसें चलाई जानी हैं। इनकी लंबाई 7 मीटर तक निश्चित की गई है। जिन ऑपरेटरों के आवेदन चयनित हुए हैं, उन्होंने तय मानकों के आधार पर बसों को ऑर्डर दे दिया है। अन्य बसों को संचालन भी जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने बताया कि बसों के मार्ग का चयन जिला स्तरीय कमेटी कर रही है।

नौ वर्षों में 289 दुर्दात अपराधी पुलिस मुठभेड़ में किया ढेर, 34,253 गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में नौ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 289 दुर्दात अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर यमलोक पहुंचाया है। पुलिस ने 17,043 मुठभेड़ की कार्रवाइयां कीं, जिनमें 34,253 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 11,834 अपराधी घायल हुए। अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये जबकि 1,852 पुलिसकर्मी घायल हुए। सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गईं, जहां पुलिस ने 4,813 कार्रवाई की गईं। इस कार्रवाई में 8,921 अपराधी दबोचे गये जबकि 3,513 अपराधियों को घायल हुए। वहीं 97 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 477 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी शहीद हो गये।

पेंटास के फूल

लाल गुलाबी बैंगनी, रंग लिए पेंटास।
उपवन की शोभा बने, फूलों में है ख़ास।
फूलों में है ख़ास, दिखें जो तारों जैसे।
चटक रंग के साथ, बहुत मोहक हैं लगते।
सुन लो कहें प्रदीप, न जिसमें दिखे खराबी।
शानदार है फूल, श्वेत अरु लाल गुलाबी।।

सुन्दरता जीवन्तता, मोहक रंग सुगन्ध।
सबकुछ है पेंटास में, मौसम लिखे निबन्ध।
मौसम लिखे निबन्ध, मिश्र का तारा कहके।
गुच्छो में खिल फूल, सदा मुस्काते रहते।
सुन लो कहें प्रदीप, जहाँ में हँसकर कहता।
निर्मलता का रंग, फूल की है सुन्दरता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मई माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता महिला काव्यगोष्ठी बिलासपुर इकाई की सदस्या शुभा भौमिक जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान मई 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी बिलासपुर इकाई से शुभा भौमिक जी को दिया जाएगा। रचनाकार शुभा भौमिक जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

प्रयागराज और कौशाम्बी के आखिरी पायदान पर खडे व्यीक्ति के जीवन उत्थन उद्देश्य–केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के अथक प्रयासों और दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप आज प्रदेश कैबिनेट की बैठक में प्रयागराज के राजकीय मेडिकल कालेज से सम्बद्ध स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के विस्तार और उच्चीकरण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। चिकित्सालय परिसर के विस्तार हेतु महात्मा गाँधी मार्ग से जुडी हुई पूल्ड हाऊसिंग की 31,314 वर्गमीटर भूमि को अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के पक्ष में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। 1961 में स्थापित यह चिकित्सालय प्रयागराज मण्डल का सबसे बड़ा टर्शियरी लेवल का अस्पताल है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस विस्तार से प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, कौशाम्बी, फतेहपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, भदोही, बाँदा और चित्रकूट के निवासियों को उच्च स्तरीय उपचार सुलभ होगा।

पीडीए का बाजा बजाने वाले देखें, हितेषी कौन : केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रयासों और दूरदर्शी दृष्टिकोण से आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक मे ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन के प्रस्ताव को सहर्ष अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। श्री मौर्य ने कहा कि ग्रामीण स्थानीय निकायों त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में ओबीसी के आरक्षण को पूरी तरह वैधानिक, पारदर्शी और तथ्य–आधारित बनाने के लिए इस समर्पित आयोग का गठन किया गया है। यह आयोग राज्य के ग्रामीण अंचलों में पिछड़ेपन की प्रकृति और निहितार्थों की गहन जांच करेगा। इसके साथ ही, स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्ग के लिए सीटों के आरक्षण की आवश्यकता और आनुपातिकता का सटीक आकलन करने के लिए आवश्यक आंकड़े जुटाएगा।हमारी सरकार श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासश के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के हमारे पिछड़े, शोषित और वंचित भाई–बहनों को राजनैतिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लोहिया संस्थान में बनेगा 1010 बेड का अत्याधुनिक इमरजेंसी सेंटर

लखनऊ (संवाददाता)। योगी कैबिनेट को बैठक में डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के नवीन परिसर शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार सेक्टर–7 में 1010 बेडेड मल्टी स्पेशलिटी इमरजेंसी सेंटर अस्पताल नवीन ओपीडी ब्लॉक एवं टीचिंग ब्लॉक के निर्माण संबंधी परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई।वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 855 करोड़ 4 लाख 34 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। महत्वाकांक्षी परियोजना अंतर्गत अत्याधुनिक सुविधा युक्त मल्टी स्पेशलिटी इमरजेंसी सेंटर अस्पताल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 1010 बेड स्थापित किए जाएंगा मरीजों की बढ़ती संख्या और बेहतर उपचार व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एक नया ओपीडी ब्लॉक भी बनाया जाएगा, जिससे प्रदेशवासियों को अधिक सुव्यवस्थित और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। परियोजना के अंतर्गत 200 सीटों की क्षमता वाला नया टीचिंग ब्लॉक भी विकसित किया जाएगा। इससे चिकित्सा छात्रों को आधुनिक तकनीक और संसाधनों से युक्त शिक्षण वातावरण मिलेगा तथा मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता में और सुधार होगा।

लखनऊ मेट्रो फेज–1बी के लिए त्रिपक्षीय एमओयू मंजूर

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लखनऊ मेट्रो परियोजना फेज–1बी ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर चारबाग से वसंतकुंज के लिए भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. के मध्य त्रिपक्षीय मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग एमओयू के निष्पादन को मंजूरी प्रदान कर दी गई।वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि इस परियोजना की डीपीआर को पहले ही कैबिनेट में अनुमोदित किया जा चुका था और अब 5801.05 करोड़ रुपये की अनुमोदित लागत पर सहमति दी गई है। परियोजना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की 50–50 प्रतिशत भागीदारी होगी।

सम्पादकीय.....

चाय की भट्टी से संसद के गलियारों तक मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अटल बिहारी वाजपेयी की तरह एक राजनेता और कवि हैं। वह गुजराती भाषा के अलावा हिन्दी में भी देशप्रेम से ओतप्रोत कविताएं लिखते हैं। भारत–पाकिस्तान के बीच द्वितीय युद्ध के दौरान किशोरावस्था में उन्होंने स्वेच्छा से रेलवे स्टेशनों पर सफर कर रहे सैनिकों की सेवा की। युवावस्था में वह छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हुए। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी नवनिर्माण आन्दोलन में हिस्सा लिया। एक पूर्णकालिक आयोजक के रूप में कार्य करने के पश्चात उन्हें भारतीय जनता पार्टी में संगठन का प्रतिनिधि मनोनीत किया गया। उन्होंने आर.एस.एस. के प्रचारक रहते हुए 1980 में गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर परीक्षा दी और मास्टर डिग्री प्राप्त की। अपने माता–पिता की कुल 6 संतानों में तीसरे पुत्र नरेन्द्र ने बचपन में रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने में अपने पिता का हाथ बंटाया। नरेन्द्र जब विश्वविद्यालय के छात्र थे, तभी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) की शाखा में नियमित जाने लगे थे। इस प्रकार उनका जीवन संघ के एक निष्ठावान प्रचारक के रूप में प्रारम्भ हुआ। उन्होंने शुरुआती जीवन से ही राजनीतिक सक्रियता दिखलाई और भारतीय जनता पार्टी का जनाधार मजबूत करने में प्रमुख भूमिका निभाई। अप्रैल 1990 में जब केन्द्र में मिली–जुली सरकारों का दौर शुरू हुआ, मोदी की मेहनत रंग लाई, जब गुजरात में 1995 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने बलबूते दो–तिहाई बहुमत प्राप्त कर सरकार बना ली। इसी दौरान 2 राष्ट्रीय घटनाएं और इस देश में घटीं। पहली घटना थी सोमनाथ से लेकर अयोध्या तक की रथयात्रा, जिसमें अडवानी के प्रमुख सारथी की भूमिका में नरेन्द्र का मुख्य सहयोग रहा। इसी प्रकार कन्याकुमारी से लेकर सुदूर उत्तर में स्थित कश्मीर तक की मुरली मनोहर जोशी की दूसरी रथयात्रा भी नरेन्द्र मोदी की ही देखरेख में आयोजित हुई। इसके बाद नरेन्द्र मोदी को दिल्ली बुला कर भाजपा में संगठन की दृष्टि से केन्द्रीय मंत्री का दायित्व सौंपा गया। 1998 में उन्हें पदोन्नत करके राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) का उत्तरदायित्व दिया गया। इस पद पर वह अक्तूबर 2001 तक काम करते रहे। भारतीय जनता पार्टी ने अक्तूबर 2001 में केशुभाई पटेल को हटाकर गुजरात के मुख्यमंत्री पद की कमान नरेन्द्र मोदी को सौंप दी। मोदी के नेतृत्व में 2012 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रारम्भ कीं व उन्हें क्रियान्वित कराया। पार्टी की ओर से पी.एम. प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद नरेन्द्र मोदी ने पूरे भारत का भ्रमण किया। इस दौरान 3 लाख किलोमीटर की यात्रा कर पूरे देश में 437 बड़ी चुनावी रैलियां, 3–डी सभाएं व चाय पर चर्चा आदि को मिलाकर कुल 5827 कार्यक्रम किए। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 2014 के चुनावों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। नरेन्द्र मोदी हिन्दुस्तान के 15वें प्रधानमंत्री बने। उनकी जीवनशैली अक्सर चर्चा में रहती है। प्रधानमंत्री मोदी हर काम लीक से हटकर करते हैं इसीलिए जनता के बीच उनकी छवि एक कुशल नेता की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले एक दशक में डिजिटल क्रांति, बुनियादी ढांचे के विकास, सामाजिक कल्याण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग और गतिशक्ति सड़कों का तीव्र गति से निर्माण और रेलवे का आधुनिकीकरण (वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत करके कनैक्टिविटी को मजबूत किया गया है)। जी.एस.टी. 'एक राष्ट्र, एक कर' की नीति से कर प्रणाली में पारदर्शिता आई है। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर उसे देश की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, स्वदेशी हथियारों के निर्माण और रक्षा उपकरणों के निर्यात को भारी प्रोत्साहन दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति के तहत वैश्विक मंचों पर भारत की मजबूत छवि बनी है। भारत ने रूस–यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल भू–राजनीतिक मुद्दों पर किसी भी खेमे में शामिल होने के बजाय राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखा। जी–20 की सफल अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल कराना इस नीति का एक बड़ा मील का पत्थर माना जाता है? पड़ोसी पहले की नीति के तहत हिंद महासागर क्षेत्र और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान एक स्वदेशी और आध्यक रूप से सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने का विजन है, जिसका मुख्य लक्ष्य 2047 तक आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाना है।

इंकार से मान्यता तक: कनाडा और खालिस्तानी खतरा

निजीश एन

कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सी.एस.आई.एस.) की सार्वजनिक रिपोर्ट 2025, जो 1 मई, 2026 को जारी की गई, ओटावा की खतरा मूल्यांकन पद्धति में एक उन्नत विकास को दर्शाती है, विशेष रूप से खालिस्तानी उग्रवाद के मामले में। इस रिपोर्ट में इस गतिविधि ा को राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद की श्रेणी में रखा गया है और स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 'कनाडा में स्थित खालिस्तानी उग्रवादियों (ब्ठझमे)) द्वारा हिंसक उग्रवादी गतिविधि ायों में निरंतर संलिप्तता कनाडा और कनाडाई हितों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु खतरा बनी हुई है'।

रिपोर्ट में 1985 की एयर इंडिया फ्लाइट 182 में बम ध ामाके की 40वीं बरसी का सीध ा संदर्भ भी दिया गया है, जिसका ष्टस्द्धढस् न केवल यादगारी मकसद के लिए, बल्कि एक चेतावनी के रूप में उपयोग करती है कि ष्टक्व्यश्व से जुड़ी हिंसा पहले भी कनाडा पर ही प्रहार कर चुकी है, जिससे यह बात उजागर होती है कि इस खतरे को पूरी तरह से बाहरी नहीं माना जा सकता। लेकिन रिपोर्ट खालिस्तान के लिए शांतिपूर्ण वकालत (जो कनाडाई कानून के तहत सुरक्षित है) और हिंसक उग्रवाद के बीच स्पष्ट अंतर करती है। केवल उन्हीं व्यक्तियों को खालिस्तानी उग्रवादियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो कनाडा को आधार बनाकर 'हिंसा को बढ़ावा देते हैं, धन इकट्ठा करते हैं या योजना बनाते हैं, मुख्य रूप से भारत में'। भले ही यह कानूनी ढांचा नैतिक रूप से महत्वपूर्ण है, यह एक ढांचागत कमजोरी को भी उजागर करता है–सुरक्षित भाषण और परिचालन योजना के बीच का स्थान वही है, जहां उग्रवादी नैटवक' ऐतिहासिक रूप से सक्रिय और अनुकूलनशील रहे हैं। रिपोर्ट में विशिष्ट संगठनों या व्यक्तियों की पहचान नहीं की गई, इसकी बजाय अपने निष्कर्षों को राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद के व्यापक ढांचे में रखा गया है। ऐसा करके, कनाडाई अधिकारियों ने मुद्दे को अधिक पारदर्शी और सीधे तौर पर स्वीकार करने की ओर इशारा किया है, साथ ही उन सामान्य बयानबाजियों से बचने की कोशिश की है, जो पूरे समुदायों को अनुचित रूप से लपेट सकती हैं। जून 2025 में जारी अपनी 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में सीएसआईएस ने पहली बार स्पष्ट रूप से पुष्टि की थी कि खालिस्तानी उग्रवादी कनाडा की धरती को अपना आधार बनाकर हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने, धन एकत्र करने और योजना बनाने के लिए उपयोग कर रहे हैं, जिनका मुख्य निशाना भारत है। यह परिवर्तन विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली कनाडाई सरकार ने दिसम्बर 2018 में जारी 'कनाडा के लिए आतंकवादी खतरे पर सार्वजनिक रिपोर्ट' से 'सिख (खालिस्तानी) उग्रवाद' का संदर्भ हटा दिया था, जो देश में मौजूद खालिस्तान समर्थक तत्वों के दबाव के बाद हुआ था। भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी और पंजाबी मूल के अपराधी नैटवर्क के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनने का आरोप लगाता आ रहा है। बार–बार शिकायतों और औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोधों के बावजूद, ओटावा द्वारा बहुत कम कार्रवाई की गई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुसार, 2023 में चिन्हित किए गए 28 सबसे वांछित गैंगस्टर–आतंकवादी भगौड़ों में से 9 कनाडा से संचालित हो रहे थे। इनमें लखबीर सिंह उर्फ लंडा, अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला (दोनों 2023 में भारत द्वारा व्यक्तिगत आतंकवादी घोषित) के अलावा सुखदूल सिंह उर्फ सुखा दुनेके (सितम्बर 2023 में मारा गया), गुरपिंदर सिंह उर्फ बाबा डल्ला, सतवीर सिंह डिंग उर्फ सैम, स्नोवर ढिल्लों, चरणजीत सिंह उर्फ रिंकू बेहला, रामनीत सिंह उर्फ रमन जज और गगनदीप सिंह उर्फ गगना हथूर शामिल हैं। इस बीच, सीएसआईएस रिपोर्ट भारत पर कड़ा रुख अपनाती है और इसे चीन, रूस, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय दमन और विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों में शामिल करती है। भारत के प्रति रवैया 2024 की तुलना में कुछ हद तक नरम पड़ा है, जब निज्जर की हत्या का मामला छाया हुआ था, फिर भी 2025 की रिपोर्ट कनाडा की धरती पर सिख एक्टिविस्टों को निशाना बनाने वाली कथित भारतीय खुफिया गतिविधियों के बारे में चिंताओं को उजागर करती है। यह दोहरी फ्रेमिंग–खालिस्तानी उग्रवाद और भारतीय हस्तक्षेप दोनों को स्वीकार करना–कनाडा द्वारा घरेलू प्राथमिकताओं और भू–राजनीतिक संवेदनशीलता के बीच तालमेल बिठाने का प्रयास है। ताजा रिपोर्ट में हरदीप सिंह निज्जर मामले का कोई उल्लेख न होना विशेष रूप से ध्यान खींचने वाला है। ष्टस्द्धढस् सार्वजनिक रिपोर्ट 2025 कनाडा में खालिस्तानी मुद्दे को लेकर एक प्रगतिशील और अधिक संतुलित जांच की ओर एक क्रमिक बदलाव को दर्शाती है। रिपोर्ट का वास्तविक महत्व इस तथ्य में है कि कई वर्षों तक खालिस्तान के खतरे को मुख्य रूप से भारत–कनाडा संबंधों के तनावपूर्ण नजरिए से देखे जाने के बाद, अब कनाडाई खुफिया समुदाय इसे घरेलू राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे के भीतर रखकर देख रहा है।

ऑनलाइन सैंसरशिप और राजनीतिक तानाशाही की ओर

मनीष तिवारी

जब भारत सरकार ने 2021 में सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा–निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम पेश किए, तो विशेषज्ञों ने विस्तारित कार्यकारी प्रभाव के बारे में चिंताएं जताईं, जो ऑनलाइन अभिव्यक्ति के संबंध में 'संवैधानिक अतिरेक' के समान था। तब से, संशोधनों, परामर्शों और कार्यकारी हस्तक्षेपों के माध यम से इन नियमों में लगातार विकास हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी नियम द्वितीय संशोध ान, 2026 का मसौदा एक और बड़ा महत्वपूर्ण मोड़ है, जो नागरिकों, प्लेटफार्मों और नियामकों के बीच संबंधों को नया रूप दे सकता है। मेइती (इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) के अनुसार, प्रस्तावित संशोधन प्रकृति में स्पष्टीकरण और प्रक्रियात्मक हैं, जिनका उद्देश्य मध्यवर्ती अनुपालन को मजबूत, कानूनी निश्चितता में सुधार करना और ऑनलाइन सामग्री विनियमन से संबंधित निगरानी तंत्र को बढ़ाना है। हालांकि, बारीकी से पढने पर कार्यकारी निगरानी के दायरे और वैध ऑनलाइन अभिव्यक्ति तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी पर संशोध ानों के संभावित प्रभाव के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठते हैं। ऑनलाइन अभिव्यक्ति विनियमन के दायरे को व्यापक बनाना रू सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक, नियमों का विस्तार प्रकाशकों से सामान्य उपयोगकर्त्ताओं तक करना है। संशोधित नियम 8(1) गैर–प्रकाशक उपयोगकर्त्ताओं द्वारा पोस्ट की गई 'समाचार और समसामयिक विषयों की सामग्री' को आई.टी. नियमों के भाग प्प् के नियामक ढांचे के तहत लाने का प्रयास करता है। इसका मतलब यह है कि मूल रूप से डिजिटल प्रकाशकों और ओ.टी.टी. प्लेटफार्मों के लिए डिजाइन किया गया तंत्र अब संभावित रूप से उन व्यक्तिगत नागरिकों पर लागू हो सकता है, जो ऑनलाइन टिप्पणी, विश्लेषण या राय पोस्ट करते हैं, जो किसी व्यक्ति की भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने वाली सैंसरशिप का सबसे चरम रूप है। कार्यकारी निगरानी तंत्र का विस्तार रू संशोधनों का एक अन्य उल्लेखनीय पहलू अंतर–विभागीय समिति (आई.डी.सी.) की विस्तारित भूमिका है, जो एक कार्यकारी नेतृत्व वाली संस्था है, जो डिजिटल सामग्री की निगरानी करती है। संशोधित नियम 14(2) मंत्रालय को किसी पीड़ित पक्ष की शिकायत न होने पर भी सीधे आई.डी.सी. को मामले भेजने की शक्ति देगा। यह सामग्री निगरानी की संरचना में एक उल्लेखनीय बदलाव का प्रतिनिधि ात्व करेगा। पहले, ढांचा कम से कम नाममात्र के लिए शिकायतों और शिकायत तंत्र पर निर्भर था। नया प्रस्ताव कार्यकारी जांच के एक अधिक सक्रिय मॉडल की ओर बढ़ता हुआ प्रतीत होता है, जहां अधि ाकारी उपयोगकर्त्ता की शिकायत के बिना भी सामग्री की समीक्षा शुरू कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में स्वतंत्र या न्यायिक निगरानी की कमी गंभीर संवैधानिक चिंताएं पैदा करती है। प्रस्तावित संशोध ान ऐसे समय में भी आए हैं, जब 2021 के आई.टी. नियमों के कई प्रावधान पहले से ही संवैधानिक अदालतों के समक्ष न्यायिक चुनौती के अधीन हैं। नियत सावधानी का विस्तार रू संभवतरू सबसे महत्वपूर्ण संशोध ान नियम 3(4) को जोडना है, जो मध्यवर्ती 'सेफ हार्बर' सुरक्षा को सरकार द्वारा जारी परामर्शों, स्पष्टीकरणों, दिशा–निर्देशों, निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुपालन से जोड़ता है। मंत्रालय द्वारा जारी विभिन्न कानूनी स्थिति वाले कार्यकारी निर्देशों के अनुपालन की आवश्यकता के कारण, यह संशोध ान प्लेटफार्मों के लिए अति–अनुपालन करने का एक मजबूत प्रोत्साहन पैदा कर सकता है। परिणामस्वरूप, मध्यस्थ 'सेफहार्बर' खोने के जोखिम को कम करने के लिए संभावित रूप से विवादास्पद सामग्री, विशेष रूप से केंद्र में सत्तारूढ़ व्यवस्था की आलोचना करने वाली सामग्री के प्रति अधिक एहतियाती दृष्टिकोण अपना सकते हैं। कानूनी अनिश्चितता का सामना करने पर, प्लेटफार्मों द्वारा सामग्री को समय से पहले हटाने या भाषण को पूरी तरह से दबाने की अधिक संभावना है। सूचना प्रौद्योगिकी नियम द्वितीय संशोधन, 2026 का मसौदा, तेजी से जटिल होते डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में प्लेटफॉर्म जवाबदेही, ऑनलाइन सुरक्षा और संवैधानिक स्वतंत्रता को संतुलित करने की बढ़ती वैश्विक चुनौती को दर्शाता है। यदि सार्थक सुरक्षा उपायों के बिना इसे लागू किया जाता है, तो यह एक अधिक प्रतिबंधात्मक डिजिटल स्थान को सामान्य बनाने का जोखिम उठाता है, जहां प्लेटफॉर्म सामग्री हटाने के पक्ष में गलती करते हैं और उपयोगकर्त्ता वैध अभिव्यक्ति का प्रयोग करने में अधिक सतर्क हो जाते हैं।

'भारतीय जेलों और पुलिस हवालातों से' कैदियों की फरारी चिंताजनक!

विजय कुमार

भारतीय जेलें आज घोर अव्यवस्था का शिकार होने के कारण 'सुधार घर' की बजाय 'बिगाड़ घर' बन कर रह गई हैं। जेलोंमें हिंसा, मारपीट और पुलिस की हिरासत से हवालातियों की फरारी एक आम बात हो गई है जिसकी इसी वर्ष लगभग 4 महीनों की घटनाएं निम्न में दर्ज हैं 15 जनवरी को 'सिवनी' (मध्य प्रदेश) में बलात्कार के आरोप में बंद 3 कैदी मैडीकल जांच के बाद अस्पताल से वापस जेल में लाए जाने के दौरान फरार हो गए। 28 जनवरी को 'अयोध्या' (उत्तर प्रदेश) में हत्या के प्रयास और बलात्कार के गंभीर आरोपों में जिला जेल की 'तन्हाई बैरक' में बंद 2 शातिर कैदी 'गोलू अग्रहरि' तथा 'शेर अली' जेल की दीवार तोडने के बाद जेल की बाऊंड्री वॉल से कूदकर फरार हो गए। 5 फरवरी को 'सदिया जेल' (असम) से 4 कैदी रस्सी के सहारे ऊंची दीवार फांदकर भाग निकले। 6 फरवरी को 'लुधियाना' (पंजाब) में मर्डर केस का एक विचाराधीन आरोपी पुलिस कस्टडी से उस समय फरार हो गया जब उसे इलाज के लिए लुधियाना के सिविल अस्पताल लाया गया था। ' 9 मार्च को 'सिद्धार्थ नगर' (उत्तर प्रदेश) के एक पुलिस थाने में बंद 2 ईनामी अभियुक्त पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। अभियुक्तों ने पेट दर्द का बहाना बनाया और लॉकअप रूम का दरवाजा खुलवा कर भाग निकले, हालांकि उन्हें बाद में पकड़ लिया गया।' 27 मार्च को 'रेवाड़ी' (हरियाणा) की हाई टैक जेल में साइबर फ्राड के आरोप में बंद उत्तर प्रदेश के 2 विचाराधीन कैदी जेल की दीवार से सीढ़ी लगाकर फरार हो गए जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। 18 अप्रैल को 'यरवदा' ओपन जेल (पुणे, महाराष्ट्र) से 'समीर शेख' नामक एक उम्रकैदी फरार हो गया। 8 मई को 'संतोष लक्ष्मण भिंगारे' नामक उम्रकैदी अपनी बेटी की सगाई में शामिल होने के लिए जेल से भाग गया। 12 मई को 'अहमदाबाद' (गुजरात) की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली 'साबरमती सैंट्रल जेल' में मर्डर और पोक्सो एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा काट रहा 'रामाभाई परमार' नामक कैदी सुबह के समय मेन गेट से सीध ा बाहर निकल कर फरार हो गया। शाम को गिनती के दौरान सी.सी.टी.वी. देखने पर उसके भागने का खुलासा हुआ। 13 मई को 'यरवदा' ओपन जेल (पुणे, महाराष्ट्र) में मर्डर के केस में उम्रकैद की सजा काट रहा 'जनार्दन शंकर अडसूले' जेल से गायब हो गया। 13 मई को ही 'गोलाघाट' (असम) जिले में चोरी और डकैती के मुख्य आरोपी 'दिलीप सहनी उर्फ 'लगन' ने पुलिस द्वारा पूछताछ के सिलसिले में 'देरगांव' ले जाए

सनातन अजर–अमर अवधारणा

तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म को समाप्त करने की मांग की गई है। उदयनिधि स्टालिन ने पिछले सप्ताह सदन में कहा है कि सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए। डीएमके के अन्य नेताओं ने भी सनातन परंपरा की निन्दा की है। जान पड़ता है कि तमिलनाडु की राजनीति में सनातन के विरुद्ध मानहानिकारक शब्द प्रयोग की बाढ़ आ गई। यह आश्चर्यजनक है कि ऐसे राजनेता सनातन का वास्तविक रूप नहीं जानते। ऐसे नेताओं को भारतीय दर्शन के मूल तत्वों का अध्ययन करना चाहिए और इसके लिए तमिलनाडु के ही निवासी डॉ. राधाकृष्णन के ग्रन्थ पढ़ने चाहिए।

सनातन धर्म किसी राजनीतिक दल के प्रस्ताव से अस्तित्व में नहीं आया है। यह सदा से है। विश्व इतिहास का कोई कालखण्ड सनातनविहीन नहीं रहा। यह रिलीजन नहीं है। मजहब भी नहीं है और पंथ भी नहीं है। सनातन अजर अमर धारणा है। सनातन का कभी जन्म नहीं होता। इसका कभी अवसान नहीं होता। सृष्टि की पहली किरण के साथ सत्य का जन्म हुआ। तब न रात्रि थी न दिन था। न आकाश था। ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के अनुसार तब केवल 'वह' था। आखिरकार 'वह' क्या था? ऋषि बताते हैं कि 'वह' बिना वायु के स्वयं अपनी क्षमता के बल पर सांस ले रहा था। 'वह' और कुछ नहीं सनातन ही था। प्रकृति प्रकट होती है। फिर व्यक्त से अव्यक्त होती है। सनातन तब भी रहता है। सनातन सदा से है। सदा रहता है। इसका न आदि है न अंत। सनातन का मूल अर्थ है जो सदा से है सदा रहता है।

दुनिया में अनेक आस्थाएं हैं। अनेक विचार हैं। अनेक सामाजिक व्यवस्थाएं हैं। लेकिन सनातन जैसा अनुभव विश्व इतिहास में कहीं नहीं मिलता। ऋग्वेद में सनातन व्यवस्था का नाम ऋत् है। ऋत् ब्रह्माण्ड की व्यवस्था का संविधान है। अस्तित्व का अणु परमाणु सुसंगत व्यवस्था में गतिशील है। सनातन से पृथक कुछ भी नहीं। अग्नि का गुण ताप है। वायु का गुण स्पर्श है। जल का गुण रस है। प्रकृति के सभी महाभूतों की गतिविधि ब्रह्माण्ड की व्यवस्था में बंधी हुई है। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है, "ईश्वर भी इस व्यवस्था में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।"

प्रकृति प्रत्यक्ष सत्य है। उसकी शक्तियाँ भी प्रत्यक्ष सत्य हैं और नियम भी प्रत्यक्ष सत्य हैं। यही सत्य मानव समाज में भी दिखाई पड़ता है। तब प्रकृति की नियमबद्ध गतिविधि और मनुष्य का सदाचरण एक साथ विचारणीय हो जाते हैं। नियमों का पालन करना कर्तव्य है। यही धर्म भी है। ऋग्वेद (2.8.3) में कहते हैं, ''अग्नि के नियमों का कोई उल्लंघन नहीं कर सकता।'' नदियाँ ऊपर से नीचे समुद्र की ओर बहती हैं। यह प्रकृति का नियम है और जल का धर्म। नदियाँ ऋतावरी कही गई हैं। ऋत अर्थात प्रकृति के संविधान की पालनकर्ता। सूर्य के लिए कहते हैं, ''उसके नियम को इन्द्र, वरुण, रूद्र आदि देवता नहीं तोड़ सकते। (2.38. 9) ऋषि वायु से कहते हैं, ''नियमों के अनुसार चलने वाले मरुद्गण और सरस्वती हमारी स्तुतियाँ सुनें।'' सभी दिव्य शक्तियाँ प्रकृति के नियमों का पालन करती हैं। नियम तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं है।

प्रकृति नियम आबद्ध है। यह अस्तित्व का नियम है। इसे ऋत कहते हैं। ऋत और धर्म पर्यायवाची हैं। वैदिककाल में मान्यता थी कि नियम पालन कराना वरुण देवता का कर्तव्य है। ऋग्वेद के अनुसार ''यह काम भी वह धर्मानुसार ही करते हैं। सूर्य भी धर्मानुसार संसार को प्रकाश से भरते हैं। सूर्योदय, सूर्यास्त, दिन के बाद रात, रात के बाद दिन सब नियमानुसार हैं। सारे नियम सत्य हैं। सनातन हैं।'' ऋत, सत्य और धर्म एक जैसे हैं। भारतीय परम्परा में विष्णु बड़े देवता हैं। मान्यता है कि वे अवतार लेते हैं। लेकिन विष्णु के लिए भी धर्म पालन अनिवार्य है। ऋग्वेद के अनुसार ''उन्होंने तीन पग चलकर ब्रह्माण्ड नाप दिया था।'' यह कार्य आश्चर्यजनक था। ऋग्वेद के अनुसार उन्होंने यह कार्य धर्मानुसार पूरा किया। ग्रिफ्थ ने धर्म का अनुवाद 'लॉज' (विधि) किया है। सूर्य भी नियमों में बंध ो हुए हैं। एक सुसंगत ब्रह्मांडीय व्यवस्था के अधीन उदय और अस्त होते हैं। बृहदारण्यक उपनिषद में कहते हैं, ''जिससे सूर्य उदय अस्त होता है, उस धर्म को देवताओं ने बनाया है।'' प्रकृति की शक्तियां नियम बंधन के अनुशासन में हैं। मनुष्यों को भी तद्नुसार धर्म–नियमों का पालन करना चाहिए। सनातन धर्म का विकास प्राकृतिक नियमों के विस्तार से हुआ। सनातन धर्म रिलीजन या मजहब नहीं है। रिलीजन और मजहब में एक ईश्वर और एक देवदूत की आस्था है। प्रत्येक मजहब या रिलीजन का एक पवित्र ग्रंथ है। उनके सत्य अंतिम हैं।

सीमा वर्णिका की कलम से

एक तीर दो निशाने

मेहरा साहब आपने वही सुना जो हमने सुना, गुप्ता जी बोले।

अरे! वही श्कर्मवीर भर्ती योजनाश की बात कर रहे हैं, मेहरा साहब व्यंग्यात्मक मुस्कान लाते हुए बोले।

अच्छा मौका है एक तीर से दो निशाने ,गुप्ता जी की शातिर आँखों में चमक आ गई।

सही कह रहे हो गुप्ता जी .. चूकने का वक्त नहीं.. आगामी चुनाव में टिकट भी तो लेना है, मेहरा जी ने सुर में सुर मिलाते हुए बोले ।

सुनो अभय तुम यहाँ फार्म हाउस पर तुरंत आ जाओ..कुछ जरूरी काम है, गुप्ता जी छात्र संगठन के अध्यक्ष से फोन पर कहा।

जी माननीय आदेश करें .. क्या सेवा करनी है, अभय कुछ देर बाद गुप्ता जी के सामने खड़ा पूछ रहा था ।

कर्मवीर भर्ती योजना फेल करानी है समझे, मेहरा जी कुटिल मुस्कान लाते हुए बोले ।

तुम्हारे घर फल मेवा आदि पहुँच जाएगा, गुप्ता जी ने हँसकर कहा।

अभय ने दो चार फोन वहीं से किए और आश्वासन देकर चला गया।

टी.वी. पर समाचार आ रहा था.. शहर में जगह–जगह युवा भड़क गए हैं और तोड़फोड़ आगजनी शुरू हो गई है।

चलिए गुप्ता जी..चला जाए.. दंगे शांत कराने हैं अरे! भाई.. यह सब दंगा फसाद देश के विकास में बाधक है,मेहरा साहब ठहाका लगाते हुए बोले।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

वेलकम टू द जंगल का धमाकेदार टाइटल ट्रैक रिलीज डबल रोल निभाएंगे अक्षय कुमार, जंगल में धमाल मचाएगी पूरी टोली

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन, रवीना टंडन सहित कई चर्चित सितारों से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इतने सारे सितारे जहां होंगे, वहां एंटरटेनमेंट का तगड़ा डोज मिलना पक्का है। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है और काफी धमाकेदार है। फिल्म वेलकम टू द जंगल का गाना आज सोमवार को आया है। इसमें एक्शन भी है, इमोशन भी हैं और भरपूर कॉमेडी का डोज है। जंगल का इलाका है और अक्षय कुमार अपनी टोली के साथ वहां मौजूद हैं। जंगल में एक से बढ़कर एक चौलेंज सामने आते हैं। पूरी टोली सर्वाइव करती है। साथ में मस्ती भी भरपूर होती है। इस टाइटल ट्रैक के जरिए यह बात कंफर्म हो चुकी है कि अक्षय कुमार का फिल्म में डबल रोल है। अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह गाना साझा किया है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन लिखा है, इस जंगल में अब दहाड़ भी होगी और शोर भी होगा। फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म बॉलीवुड की पॉपुलर श्वेलकमश फ्रेंचाईजी की तीसरी किस्त है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, जैकी श्रॉफ, पेरश रावल, राजपाल यादव, रवीना टंडन और कीकू शारदा सहित कई चर्चित सितारे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म के गाने की बात करें तो गाने की तो इसे संगीतकार जोड़ी साजिद–वाजिद ने कंपोज किया है। इस गाने को रीक्रिएट संस्करण के साथ जारी किया गया है। पहले की तरह इस बार भी आवाज शान ने दी है।

सलमान खान ने बताया फिल्म चुनने का अपना तरीका, बोले–स्क्रिप्ट पढ़ता नहीं...

सलमान खान भारतीय सिनेमा के उन सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं, जिन्होंने दशकों तक बॉक्स ऑफिस पर राज किया है। उनकी फिल्मों ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़े हैं बल्कि हर पीढ़ी के बीच जबरदस्त फैन फॉलोइंग भी बनाई है। ऐसे में अक्सर लोगों को लगता है कि सलमान हर फिल्म साइन करने से पहले उसकी स्क्रिप्ट को बारीकी से पढ़ते होंगे। लेकिन हाल ही में सलमान खान ने अपने फिल्म सिलेक्शन प्रोसेस को लेकर ऐसा खुलासा किया, जिसने फैंस को हैरान कर दिया। एक बातचीत के दौरान सलमान खान ने बताया कि उन्होंने आज तक कभी कोई स्क्रिप्ट पढ़ी ही नहीं है। वह हमेशा स्क्रिप्ट सुनना पसंद करते हैं ताकि डायरेक्टर और राइटर का असली विजन समझ सकें। सलमान ने कहा, मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी स्क्रिप्ट पढ़ी ही नहीं है। मैंने उन्हें लिखा है, लेकिन पढ़ा कभी नहीं। मैं स्क्रिप्ट सुनता हूं। मुझे स्क्रिप्ट राइटर या डायरेक्टर से सुनना पसंद है ताकि मैं समझ सकूं कि वह किस तरह की फिल्म बना रहा है और उसका विजन क्या है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह खुद स्क्रिप्ट पढ़ लेते हैं, तो उनके दिमाग में फिल्म का अपना विजन बन जाता है, जो डायरेक्टर या राइटर की सोच से अलग हो सकता है। अगर मैं इसे पढ़ लूंगा, तो फिर मेरे दिमाग में अपना विजन आ जाएगा और वह डायरेक्टर या राइटर के विजन से अलग हो जाएगा। हालांकि सलमान खान का यह बयान फैंस के लिए चौंकाने वाला हो सकता है, लेकिन इंडस्ट्री में यह बात भी मशहूर रही है कि सलमान कई फिल्मों के क्रिएटिव प्रोसेस और राइटिंग इनपुट्स में शामिल रहते हैं। यही वजह है कि उनकी फिल्मों का स्टाइल और प्रेजेंटेशन अक्सर अलग नजर आता है।

'फर्क नहीं पड़ता तुम कौन हो?' सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म पर की बात कहा– खुद को साबित करना होता है

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चाओ में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। सोनाक्षी ने इससे पहले फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें रिवर्स नेपोटिज्म पर कमेंट भी है। हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बात करते हुए सोनाक्षी ने फिल्म को लेकर कहा कि फिल्म में कई ऐसे मुद्दों को उठाया गया है, जिनके बारे में हम शायद सोचते भी नहीं। ये वास्तविक लोगों, वास्तविक घटनाओं और हमारे आसपास घटने वाली चीजों से प्रेरित है। कई जगहों पर फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देती है। कोई भी फिल्म जो आपको सोचने पर मजबूर कर दे, वह अच्छी फिल्म होती है। अपने किरदार नेहा राजवंश को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने पेशे की वजह से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व की वजह से लोगों से जुड़ाव महसूस कराता है। वह कई खामियों से भरी, बहुआयामी और अपनी गलतियों से जूझने वाली महिला है, जिसके अपने अंदरूनी संघर्ष हैं। ये सभी बातें मुझसे और निश्चित रूप से उन कई और महिलाओं से भी जुड़ी हुई हैं, जो खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जिन्हें आसानी से सफलता नहीं मिलती। फिल्म में सोनाक्षी का किरदार नेहा वकीलों के परिवार से आता है। उसके पिता देश के बड़े डिफेंस लॉयर में से एक हैं। लेकिन वो चाहते हैं कि उनकी बेटी फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले एक वीकल के रूप में काम करके खुद को साबित करे।

इस बात पर नेहा अपने पिता से पूछती है, 'यह किस तरह का रिवर्स नेपोटिज्म है?' फिल्म की इस लाइन और कहानी को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि यह कहानी कुछ हद तक मेरी अपनी जिंदगी से मिलती–जुलती है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है।

मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते रहे हैं, तुम्हें खुद को साबित करना होगा। क्योंकि वो खुद भी ऐसे ही थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम कौन होय जीवन में आगे बढ़ने के लिए तुम्हें खुद को साबित करना होगा। इसी तरह तुम्हें वह मिलता है, जिसके तुम हकदार हो। इसलिए यह बात भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म शसिस्टमश में सोनाक्षी एक यंग सरकारी वकील की भूमिका निभा रही हैं। वो एक पावरफुल बिजनेसमैन के खिलाफ हत्या के मामले में अदालत की स्टेनोग्राफर (ज्योतिका) के साथ मिलकर लड़ती हैं। 'सिस्टम' 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

शादी के 9 साल बाद हर्ष ने बयां किया अपना दुःख... लोगों से मिलते थे ताने, ''कम से कम भारती सिंह जितना तो कमा लो''

भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया को सबसे हिट जोड़ियों में से एक माना जाता है। 2017 दोनों ने शादी की थी और इससे पहले दोनों ने कम से कम 7 साल तक डेट किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान हर्ष ने बताया कि शादी के उनको लोगों से बहुत ताने को मिलते थे क्योंकि वो भारती सिंह से कम पॉपुलर थे। हाल ही नेहा धूपिया ने अपना एक नया शो लांच किया है, जिसका नाम डबल डेट है। इस शो में हर्ष और भारती भी पहुंचे। इसके बाद हर्ष से पूछा गया कि शादी के बाद उनको किन परेशानियों का सामना करना पड़ा। तब हर्ष ने कहा कि हमारे समाज में उसी आदमी को सबसे श्रेष्ठ माना जाता है, जो अपनी बीवी से ज्यादा पैसा कमाता है। जब किसी लड़के की पत्नी उससे अधिक कमाती है तो कहीं न कहीं समाज में उसका सम्मान कम हो जाता है। हर्ष ने बताया कि शादी के बाद उनको लोगों द्वारा बहुत से ताने मिले, ऐसा इस वजह से क्योंकि वो भारती से कम कमाते थे और कम पॉपुलर थे। कुछ लोग तो कहते थे कि, कम से कम भारती सिंह जितना तो कमा लो। ये सुनने के बाद मुझे दुःख तो लगता था लेकिन मैंने यह सोच लिया था कि दुखी होने के बजाय मुझे अपने काम पर फोकस करना चाहिए। मैं एक लेखक हूँ और इस प्रोफेशन से मैंने बहुत पैसा कमाया है। इसके बाद मैंने कुछ अलग करने का सोचा और कॉमेडी नाइट्स बचाओ शो लिखा। इसके बाद से मुझे लोगों का प्यार मिलना शुरू हुआ। इसके बाद हर्ष ने कपिल शर्म की तारीफ की और कहा कि कपिल भाई की वजह से मैं पूरी स्क्रिप्ट लिख लेता था, वो बोलते थे और हम लिखते थे। इसी बीच भारती सिंह ने कहा कि कपिल शर्मा जैसी स्क्रिप्ट हर कोई नहीं लिख सकता है। यह भगवान की तरफ से उनको बड़ा तोहफा है।

'दोस्तों को घसीटना बंद करें', मौनी रॉय से अलगाव के बाद सूरज नांबियार का पोस्ट

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। पति सूरज नांबियार से अपने अलगाव की घोषणा करने के बाद मौनी रॉय और दिशा पाटनी को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। अब सूरज नांबियार ने इस पूरे मामले पर एक विस्तृत बयान जारी किया है। व्यवसायी सूरज ने खुद को लेकर चल रही खबरों को दुर्भाग्यपूर्ण और बेबुनियाद बताया है। साथ ही उन्होंने एल्युमिनी विवाद और किसी तीसरे व्यक्ति के इंटरफेयर को लेकर चल रही अफवाहों का भी खंडन किया है। सूरज नांबियार ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक लंबा नोट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चल रहे विवाद पर बात करते हुए लिखा, 'मैं यह बात स्पष्ट रूप से और अंतिम रूप से कहना चाहता हूं हम दोनों या किसी तीसरे पक्ष के बारे में लगाए जा रहे किसी भी आरोप में कोई सच्चाई नहीं है। इसमें अन्य लोगों को घसीटना गलत है। खासकर उन निर्दोष दोस्तों को जिनका इससे कोई लेना–देना नहीं है। मौनी और मैंने इस दौरान सम्मानजनक व्यवहार किया है और हम उम्मीद करते हैं कि इस मामले पर रिपोर्टिंग करने वाले भी हमारे प्रति वही सम्मान दिखाएंगे। लोगों ने ऐसी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ी हैं, जिनका कोई वजूद नहीं है। ये रिपोर्टें बिना किसी कंफर्मेशन के चल रही हैं, जो पूरी तरह से गलत है। मैं इसका साफ तौर पर विरोध करता हूं। जानबूझकर फैलाई गई गलत खबर या जानकारी के सामने चुप रहना मुझे मंजूर नहीं है।' सूरज ने आखिर में कहा कि मैंने और मौनी ने अपने संयुक्त बयान में वो सब कह दिया, जो कहना था। इसलिए मैं एक बार फिर आप लोगों से ये उम्मीद करता हूं और अपील करता हूं कि उस बयान का सम्मान करें। साथ ही हमें आगे बढ़ने के लिए समय दें। हमारी प्राइवेसी का ख्याल रखें। सूरज और मौनी के अलगाव और तलाक की चर्चाएं तब शुरू हुई थीं, जब दोनों ने एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया था। साथ ही शादी की तस्वीरें भी डिलीट कर दी थीं। इसके बाद 14 मई को मौनी ने अपनी शादी को लेकर चल रही अटकलों के बीच सूरज से अलग होने की पुष्टि की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक संयुक्त बयान में उन्होंने लोगों से बेवजह की खबरों को चलाने पर निराशा जताई। साथ ही अलग होने का खुलासा करते हुए लोगों से उनकी निजता का सम्मान करने और स्पेस देने की अपील भी की। मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने 27 जनवरी 2022 को गोवा में शादी की। शादी मलयाली और बंगाली दोनों रीति–रिवाज से हुई थी। शादी से पहले दोनों ने लगभग तीन साल तक एक–दूसरे को डेट भी किया था।

छोटे बेबी के लिए कर रहे हैं खरीददारी, तो ध्यान में रखें ये जरूरी बातें

कुछ लोगों को शॉपिंग करना काफी मजेदार लगता है। हम सोचते हैं कि अपने बच्चों के लिए स्टाइलिश कपड़े लें। लेकिन साइज फिटिंग के अलावा बहुत सी चीजें सोचनी पड़ती है। खासकर तब जब आप न्यू पेरेंट्स हों। ऐसे में बच्चों के लिए कपड़े खरीदना काफी मुश्किल हो जाता है। बच्चे के लिए कौन से कपड़े लें, क्या न लें,

यह सोच उन्हें बहुत परेशान कर सकती है। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

साइज

बच्चों के कपड़ों की शॉपिंग करने से पहले अहम बात है साइज का ध्यान में रखे जाना। छोटे बच्चे वक्त के साथ बड़ी रफ्तार पकड़ते हैं। इसलिए उनकी हाइट भी बढ़ती है। ऐसे में उनके कपड़े खरीदते समय समझदारी से साइज का चयन करना चाहिए। वहीं अगर आप बजट में कपड़े खरीदना चाहती हैं तो ऑफ सीजन में

बच्चों के कपड़े खरीदें।

बचत

ध्यान रहे शॉपिंग करने से पहले अपना बजट तय कर लें। अगर आप एक बजट निर्धारित करके शॉपिंग नहीं करेंगी, तो महंगे कपड़े खरीदने की संभावना अधिक हो जाती है। हमेशा ऐसे कपड़ों का चुनाव करना है जो आपके बजट में हो और आपके बच्चे के साइज के हिसाब से फिट हो।

पसंद

कपड़े चाहे कितने भी महंगे हो जब तक पसंद नहीं आते तब तक कपड़े नहीं लेना चाहिए। बच्चा बड़ा हो या छोटा अपनी पसंद के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। अगर उन्हें कोई कपड़ा पसंद आता है तो वह उसे बार–बार पहनना चाहते हैं। अगर वही पसंद ना आए तो वो उस कपड़े को कभी नहीं पहनते।

आरामदायक कपड़ा

बच्चों के कपड़े सुंदर और आकर्षक होने के साथ–साथ आरामदायक जरूर हो। ताकि बच्चे आसानी से इसमें चल फिर सकें।

फैब्रिक

बच्चों को नरम और मुलायम कपड़े ही पहनाए ताकि वह खेल कूद सकें। शरीर में कोई निशान न पड़े। इसलिए उनके कपड़े मुलायम और अच्छे फैब्रिक वाले होने चाहिए।

कम उम्र में स्मार्टफोन बनेगा बच्चों के लिए खतरा, समय से पहले शुरु हो जाएंगी मानसिक बीमारियां

कोविड ने तो मानों बच्चों की आदत ही बिगाड़ दी है। इस महामारी के बाद बच्चे फोन के आदि होते जा रहे हैं। पेरेंट्स भी बच्चों को फोन चलाने के लिए दे देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है नई टेक्नोलॉजी बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करेगी परंतु स्मार्टफोन का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के लिए भविष्य में परेशानी खड़ी कर सकता है। हाल ही में हुए एक ग्लोबल सर्वे में ऐसे नतीजे सामने आए हैं जिसे जानकर हर माता–पिता को थोड़ा सतर्क होने की जरुरत है। सर्वे के अनुसार, बच्चे जितना जल्दी स्मार्टफोन इस्तेमाल करेंगे उतना ही युवा अवस्था में उन्हें मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आखिर सर्वे में क्या हुआ साबित?

विश्व स्तर पर जारी किए गए सर्वे में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। इस सर्वे के अनुसार, कम उम्र में बच्चों को स्मार्टफोन(टैबलेट) का इस्तेमाल करने के कारण उनकी मेंटल हैल्थ पर भी इसका असर पड़ा है। ऐसे बच्चे जिन्होंने कम उम्र में ही स्मार्टफोन इस्तेमाल किया है उन सभी में युवावस्था में आने पर आत्महत्या, दूसरों के प्रति गुस्सा, दिमाग में भ्रम पैदा होना जैसी समस्याएं ज्यादा देखी गई हैं।

किन जगहों पर किया गया ये सर्वे?

यह सर्वे 40 से ज्यादा देशों में किया गया है। नए ग्लोबल स्टडी के अनुसार 40 से ज्यादा देशों में 18–24 साल की उम्र में 27,969 एडल्ट्स का डेटा लिया गया था जिसमें भारत के करीबन 4,000 युवा बच्चे शामिल थे। इस डेटा के अनुसार, पाया गया कि स्मार्टफोन से ज्यादा महिलाएं प्रभावित हैं। एज ऑफ फर्स्ट स्मार्टफोन एंड मेंटल वेलबींग आउटकम की स्टडी के अंतर्गलत मेंटल हेल्थ कोशेंट के तहत मानसिक क्षममताओं और लक्षणों का आकलन लिया गया था। इसके अनुसार आंकड़ों की तुलना उत्तरदेने के बीच पहले स्मार्टफोन या फिर टैबलेट के स्वामित्व की रिपोर्ट की आयु से की गई थी।

इस उम्र में स्मार्टफोन इस्तेमाल करने पर खतरा

सर्वे में कम से कम 74 प्रतिशत महिलाएं ऐसी थी जिन्होंने करीबन 6 साल की उम्र में पहला स्मार्टफोन इस्तेमाल किया था उन महिलाओं में मेंटल हेल्थ से जुड़ी कई समस्याएं पाई गई वहीं 10 साल की उम्र में पहला स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की हेल्थ से जुड़ी समस्याएं 61प्रतिशत तक हो गई, 15 साल की उम्र में स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की मेंटल हेल्थ से जुड़े मामले करीबन 52प्रतिशत थे। स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है कि जिन महिलाओं ने 18 साल की उम्र में पहला स्मार्टफोन इस्तेमाल किया उनमें से 46प्रतिशत महिलाएं परेशान और संघर्षरत थी। पुरुषों में भी यहीं आंकड़ा था लेकिन उनमें परेशानी थोड़ी कम थी।

माता–पिता के लिए सर्वे में खास मैसेज

इस सर्वे के अनुसार, बच्चों को स्मार्टफोन कम उम्र में न दें। वहीं न्यूरोसाइंटिस्ट का कहना है कि बच्चों पर अपने साथियों का दबाव ज्यादा है ऐसे में अपने बच्चों पर गौर करें। सामाजिक विकास, मानसिक रुप से मजबूत करवाने के लिए बच्चों को स्मार्टफोन से दूर ही रखना बेहतर होगा।

घर के कलह–कलेश से हो चुके हैं परेशान तो जरुर रखें ये चीजें, आएगी पॉजिटिविटी

वास्तु शास्त्र में ऊर्जा के अलावा दिशाओं का भी खास महत्व बताया गया है। घर की ऊर्जा पर आशियाने में मौजूद नेगेटिविटी और पॉजिटिविटी निर्भर करती है। वहीं इस शास्त्र के अनुसार, घर की दिशाओं में रखी हुई चीजें और ऊर्जा नेगेटिविटी और पॉजिटिविटी लेकर आती है। यदि इन वास्तु नियमों का पालन अच्छे से न किया जाए तो घर में वास्तु दोष पैदा होने लगता है। वास्तु दोष घर में कलह–कलेश का कारण भी बनता है। तो चलिए आज आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स बताते हैं जो घर में हो रहे कलेश को दूर करेंगे। आइए जानते हैं इनके बारे में...

बुद्धा की मूर्ति रखें

अगर आपके घर में हर–रोज कलह–कलेश रहता है और लड़ाई झगड़े होते रहते हैं तो बुद्धा की मूर्ति जरुर रखें। बुद्धा की मूर्ति घर में रखने से शांति और सद्भाव आएगा। मान्यताओं के अनुसार, यहां पर बुद्धा की तस्वीर होती है उस घर में हमेशा शांति रहती है। इस तस्वीर को आप लिविंग एरिया में रख सकते हैं।

कमरे से दूर होगी नेगेटिव एनर्जी

वास्तु शास्त्र की मानें तो नमक हर तरह की नेगेटिव एनर्जी दूर करता है। ऐसे में यदि आपके कमरे में किसी तरह की ऊर्जा उत्पन्न होती है तो कमरे में एक कोने में सेंधा नमक का टुकड़ा रख दें। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में होने वाले कलह–कलेश से मुक्ति भी मिलती है और घर में पॉजिटिविटी बनी रहती है।

क्रिस्टल की विंड चाइम

अगर आपके घर में लड़ाई–झगड़े दूर नहीं होते और हर समय कलह–कलेश रहता है तो अपने घर की खिड़की में एक क्रिस्टल की विंड चाइम लगाएं। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में खुशहाली बनी रहेगी और इसकी आवाज सुनकर आपका मन भी शांत रहेगा। बेडरुम की खिड़की में विंडचाइम लगाने से घर में पॉजिटिविटी का संचार भी होता है।

घर में न लगाएं ज्यादा शीशे

घर में ज्यादा शीशे भी न लगाएं । इसके अलावा अगर घर में टूटा हुआ कांच है तो उसे बाहर निकाल दें। टूटा हुआ कांच आपकी जिंदगी भी बदल सकता है। घर में ज्यादा से ज्यादा शीशे

भी जरुर लगाएं। इससे पॉजिटिविटी भी आएगी और पॉजिटिविटी से लड़ाई–झगड़े कम होंगे। परंतु इन शीशों को घर के उत्तरी कोने में ही लगाएं।

न रखें फालतु सामान

इस शास्त्र के अनुसार, घर के लोगों और यहां पर रखे सामान से घर में ऊर्जा का निर्माण होता है ऐसे में अपने घर में ऐसी कोई भी चीज न रखें जिसका प्रयोग न होता हो। इसके अलावा घर में बासी खाना और न इस्तेमाल होने वाले जूते–चप्पल भी न रखें। ऐसा माना जाता है कि जिन घरों में ऐसी चीजें होती हैं वहां पर वाद–विवाद होते रहते हैं।

टॉप क्वालिटी, बेहतरीन डिजाइन.... सब्यसाची के ट्रेंडिंग डिजाइनर बैग से अपने लुक को बनाएं रॉयल

बॉलीवुड के सबसे ज्यादा चर्चित डिजाइनर्स सब्यासाची मुखर्जी के बारे में कौन नहीं जानता। हर लड़की चाहती है कि वह अपनी शादी के खास मौके पर सब्यासाची के डिजाइनर आउटफिट पहने।

दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा, अनुष्का शर्मा समेत कई सेलेब्रिटीज को कभी ना कभी सब्यासाची के आउटफिट में देखा जा चुका है। इस तथ्य से कोई इंकार नहीं है कि यह सबसे प्रसिद्ध भारतीय ब्रांडों में से एक है।

भारतीय डिजाइनर सेलिब्रिटी बहुत अधिक मांग वाले लेबलों में से एक बन गया है। शादी के वॉर्डरोब प्लान करने के मामले में सब्यसाची मुखर्जी एक भरोसेमंद नाम हैं।

लहंगे और साड़ी की तो हमने बहुत बात कर ली आज हम आपको सब्यासाची के बेस्ट बैग कलेक्शन दिखाने जा रहे हैं, जिसे आप शादी या किसी पार्टी में कैरी कर वाहवाही लूट सकती है।

इस तरह के क्लच को वेस्टर्न और एथनिक वियर किसी के साथ आसानी से कैरी किया जा सकता है।

इस तरह के क्लच में सोने की परत चढ़ा हुआ रॉयल बंगाल टाइगर लोगो लगा होता है।

सब्यासाची के बैग में ब्लैक, टैन, ब्राइडल कलर, रूज और एनिमल प्रिंट कई तरह के ऑपशन उपलब्ध है।

अपने इवनिंग आउटफिट्स में ग्लैमर जोड़ने के लिए सब्यसाची बैग्स का क्लच कलेक्शन एक परफेक्ट एडिशन है।

सब्यसाची कलेक्शन की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें हर मौके के लिए एक पीस है।

सबसे अच्छी बात यह है कि इस तरह के बैग को एक सुंदर, स्लीक गोल्ड–चेन स्लिंग भी शामिल है जिसे कैरी करना बेहद आसान है।

संक्षिप्त

जब राहुल द्रविड़ के करियर के लिए बीसीसीआई से भिड़ गए थे गांगुली, सुनाया अनसुना किस्सा

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में एक समय ऐसा भी था, जब राहुल द्रविड़ का वनडे करियर खतरे में माना जा रहा था। धीमे स्ट्राइक रेट को लेकर चयनकर्ता उन्हें टीम से बाहर करने की बात कर रहे थे, लेकिन तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने अपने साथी खिलाड़ी पर भरोसा बनाए रखा। गांगुली ने न सिर्फ द्रविड़ का समर्थन किया, बल्कि उन्हें विकेटकीपिंग की नई भूमिका देकर टीम इंडिया का सबसे अहम खिलाड़ी बना दिया। अब गांगुली ने उस दौर का अनसुना किस्सा साझा करते हुए बताया है कि कैसे उन्होंने चयनकर्ताओं के दबाव के बावजूद द्रविड़ का करियर बचाने के लिए संघर्ष किया। राज शमानी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सौरव गांगुली ने बताया कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चयनकर्ता अक्सर राहुल द्रविड़ को वनडे टीम से बाहर करने की बात करते थे। गांगुली ने कहा, राहुल द्रविड़... लोग मेरे पास आते थे और कहते थे कि उनका स्ट्राइक रेट अच्छा नहीं है। चयनकर्ता कहते थे कि वनडे में किसी और को देखो, यहां तेजी से रन बनाने पड़ते हैं। लेकिन मैंने उन्हें ड्रॉप नहीं किया, क्योंकि अगर मैं उन्हें छोड़ देता तो उनका करियर खत्म हो जाता। उन्होंने आगे बताया कि वह द्रविड़ से अलग से बात करते थे और उन्हें अपने खेल में बदलाव करने के लिए प्रेरित करते थे। गांगुली ने कहा, मैं उनसे कहता था, 'जैम, थोड़ा अलग तरीके से खेलना होगा।' और वह इतने महान खिलाड़ी थे कि उन्होंने खुद को ढाल लिया। उन्होंने भारत के लिए नंबर–5 पर बल्लेबाजी की और विकेटकीपिंग भी की। गांगुली ने खुलासा किया कि उस दौर में भारत के पास ऐसा विकेटकीपर नहीं था जो बल्लेबाजी भी अच्छी कर सके। इसी वजह से उन्होंने द्रविड़ को विकेटकीपिंग के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसा विकेटकीपर नहीं था जो बल्लेबाजी कर सके। श्रीलंका के पास संगकारा थे, दक्षिण अफ्रीका के पास बाउचर और ऑस्ट्रेलिया के पास गिलक्रिस्ट थे। हमारी बल्लेबाजी नंबर–6 पर खत्म हो जाती थी। इसलिए हमने द्रविड़ को विकेटकीपर बनाया। फिर हम मोहम्मद कैफ को नंबर–सात पर खिलाने लगे, जिससे बल्लेबाजी मजबूत हुई। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय टीम इंडिया के पास कोई भरोसेमंद ऑलराउंडर नहीं था। इसी कारण उन्होंने खुद, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और युवराज सिंह से गेंदबाजी करवाई। उन्होंने कहा, हमें टीम बनानी थी, इसलिए सहवाग गेंदबाजी करते थे, सचिन गेंदबाजी करते थे, मैं गेंदबाजी करता था और युवराज भी गेंदबाजी करते थे। अच्छी टीमों के पास ऑलराउंडर और बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर होते थे, जो हमारे पास उस समय नहीं थे। टीम बनाने के लिए यह जरूरी था।

लगातार छह हार ने बिगाड़ा पंजाब किंग्स का खेल, अकेले बैठे रिकी पोंटिंग की तस्वीर देख भावुक हुए अश्विन

दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब किंग्स अब लगातार हार के कारण प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के कगार पर पहुंच गई है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली हार टीम की लगातार छठी हार रही। धर्मशाला में मैच खत्म होने के बाद रिकी पोंटिंग डगआउट में अकेले बैठे नजर आए। पहाड़ों के बीच उदास बैठे पोंटिंग की तस्वीर तेजी से वायरल हुई और कई क्रिकेट फैंस के लिए यह भावुक पल बन गया। अपने यूट्यूब शो पर बात करते हुए रविचंद्रन अश्विन ने कहा, श्मैंने मैच के बाद टीवी पर एक बहुत दमदार तस्वीर देखी। रिकी पोंटिंग डगआउट में अकेले आगे झुककर बैठे थे। उनके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। एक समय पंजाब टॉप–2 में जाने की मजबूत दावेदार लग रही थी, लेकिन अब उन्हें खुद से पूछना पड़ रहा होगा कि आखिर गलती कहां हुई।श अश्विन ने यह भी बताया कि वह खुद 2018 में इसी स्थिति का हिस्सा रह चुके हैं और जानते हैं कि लगातार हार टीम पर कितना असर डालती है। अश्विन ने पंजाब किंग्स के दो घरेलू मैदान रखने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुल्लांपुर और धर्मशाला की परिस्थितियों में काफी फर्क है, जिससे खिलाड़ियों को तालमेल बैठाने में दिक्कत हुई। उन्होंने कहा, मुल्लांपुर और धर्मशाला की पिच और बाउंस में बड़ा अंतर है। युवा और विदेशी खिलाड़ी भी संघर्ष कर रहे हैं। अगर पंजाब इन घरेलू मैचों में से एक भी जीत जाता, तो आज तस्वीर अलग होती। अश्विन ने फ्रेंचाइजी प्रबंधन पर भी निशाना साधा और कहा कि क्रिकेटिंग जरूरतों से ज्यादा बिजनेस को महत्व देना टीम पर भारी पड़ा। उन्होंने कहा, अगर यह सिर्फ बिजनेस के लिए किया गया है तो ठीक, लेकिन अगर आपको जीतना और क्वालिफाई करना है तो ऐसी गलतियां नहीं कर सकते। रिकी पोंटिंग और श्रेयस अय्यर दोनों बेहद निराश होंगे। अब पंजाब किंग्स को सीजन के आखिरी मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना करना है, जहां हार के साथ उनका सफर लगभग खत्म हो सकता है।

सूर्यकुमार की कप्तानी खतरे में? पंत की भूमिका पर भी उठे सवाल, दोनों पर गंभीर की राय होगी निर्णायक

मुंबई,एजेंसी। बीसीसीआई चयन समिति मंगलवार को गुवाहाटी में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेगी। हालांकि इस दौरे पर कोई टी20 मुकाबला नहीं खेला जाएगा, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता भविष्य की टी20 योजनाओं और कप्तानी को लेकर अनौपचारिक चर्चा कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव की हालिया फॉर्म और मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल 2026 में खराब प्रदर्शन ने उनकी कप्तानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यही वजह है कि चयनकर्ता अब टी20 कप्तानी के अगले विकल्पों पर भी विचार कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की राय इस पूरे मामले में निर्णायक साबित हो सकती है। टी20 विश्व कप जीत के बाद यह पहली चयन बैठक होगी, इसलिए टीम मैनेजमेंट भविष्य की रणनीति पर गंभीरता से विचार करेगा। चयनकर्ता आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए संभावित टी20 खिलाड़ियों पर भी चर्चा कर सकते हैं। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी बरकरार रहेगी या नहीं, इस पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। सिर्फ सूर्यकुमार ही नहीं, बल्कि ऋषभ पंत के भविष्य को लेकर भी चयन समिति में गंभीर चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ट क्रिकेट में उपकप्तानी की जिम्मेदारी पंत के खेल पर असर डाल रही है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, श्भारतीय क्रिकेट ऋषभ पंत जैसे मैच विनर बल्लेबाज को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई टेस्ट मैच जिताए हैं। लेकिन जब भी उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई, बल्लेबाजी के दौरान उनके फैसले बेहतर नहीं दिखे।श सूत्र ने आगे कहा, चयन समिति के दिमाग में यह बात जरूर होगी कि उन्हें खुलकर खेलने का मौका दिया जाए। वनडे सेटअप में भी पंत की जगह पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानी जा रही। केएल राहुल फिलहाल पहली पसंद विकेटकीपर माने जा रहे हैं, जबकि ध्रुव जुरेल, संजू सैमसन और ईशान किशन भी मजबूत दावेदार हैं। ऐसे में आने वाले महीनों में भारतीय टीम में कई बड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं। इस बीच, अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई की मेडिकल टीम की मंजूरी पर निर्भर करेगी। अगर मेडिकल बोर्ड बुमराह के वर्कलोड को सुरक्षित मानता है, तो वह हश्मतुल्लाह शाहिदी की टीम के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेल सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, अगर मेडिकल टीम बुमराह के वर्कलोड को तय सीमा के भीतर मानती है, तो वह अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेल सकते हैं। सूत्र ने आगे कहा, लेकिन उनके वनडे सीरीज खेलने की कोई संभावना नहीं है। अगर वर्कलोड को लेकर जरा सी भी चिंता हुई, तो उन्हें पूरी सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा।

बीसीसीआई को बड़ी राहत! केंद्रीय सूचना आयोग ने कहा–आरटीआई के दायरे में नहीं आता क्रिकेट बोर्ड

दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई को सूचना का अधिकार कानून के तहत पब्लिक अथॉरिटी नहीं माना जा सकता। केंद्रीय सूचना आयोग ने सोमवार को यह बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि बीसीसीआई न तो सरकार के स्वामित्व में है, न ही उसके नियंत्रण में और न ही उसे सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहायता मिलती है। यह विवाद साल 2018 में शुरू हुआ था, जब तत्कालीन सूचना आयुक्त एम. श्रीधर आचार्युलु ने बीसीसीआई को आरटीआई एक्ट की धारा 2(h) के तहत पब्लिक अथॉरिटी घोषित किया था। उस फैसले में बोर्ड को पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर (च्प्व्) नियुक्त करने का निर्देश भी दिया गया था। हालांकि बीसीसीआई ने इस आदेश को मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी। बाद में अदालत ने मामले को दोबारा सुनवाई के लिए केंद्रीय सूचना आयोग के पास भेज दिया। अब सूचना आयुक्त पी. आर. रमेश ने नया फैसला सुनाते हुए कहा है कि बीसीसीआई आरटीआई कानून के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण की श्रेणी में नहीं आता। यह मामला एक अपील से जुड़ा था, जिसमें पूछा गया था कि बीसीसीआई किस प्रावधान और अधिकार के तहत भारत का प्रतिनिधित्व करता है और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन करता है। हालांकि केंद्रीय सूचना आयोग ने इस अपील को खारिज कर दिया। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि बीसीसीआई तमिलनाडु सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत एक निजी और स्वायत्त संस्था है। इसे न तो संविधान के तहत बनाया गया है, न संसद या राज्य विधानसभा के किसी कानून के जरिए और न ही किसी सरकारी अधिसूचना से इसकी स्थापना हुई है। सूचना आयुक्त पी.आर. रमेश ने अपने आदेश में कहा, श्बीसीसीआई को RTI एक्ट की धारा 2 के तहत पब्लिक अथॉरिटी नहीं माना जा सकता। इसलिए मौजूदा मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में आरटीआई कानून के प्रावधान इस पर लागू नहीं होते। केंद्रीय सूचना आयोग ने साफ कहा कि बीसीसीआई पर सरकार का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है और यह संस्था आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर है। यही वजह है कि इसे आरटीआई कानून के दायरे में नहीं लाया जा सकता। इस फैसले के बाद बीसीसीआई पर सूचना के अधिकार कानून के तहत जानकारी देने की बाध्यता नहीं रहेगी। यह फैसला भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे बीसीसीआई की स्वायत्तता और मजबूत होगी। वहीं दूसरी ओर, पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो सकती है।

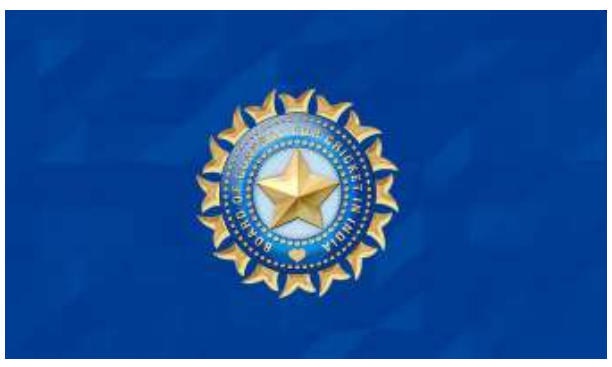

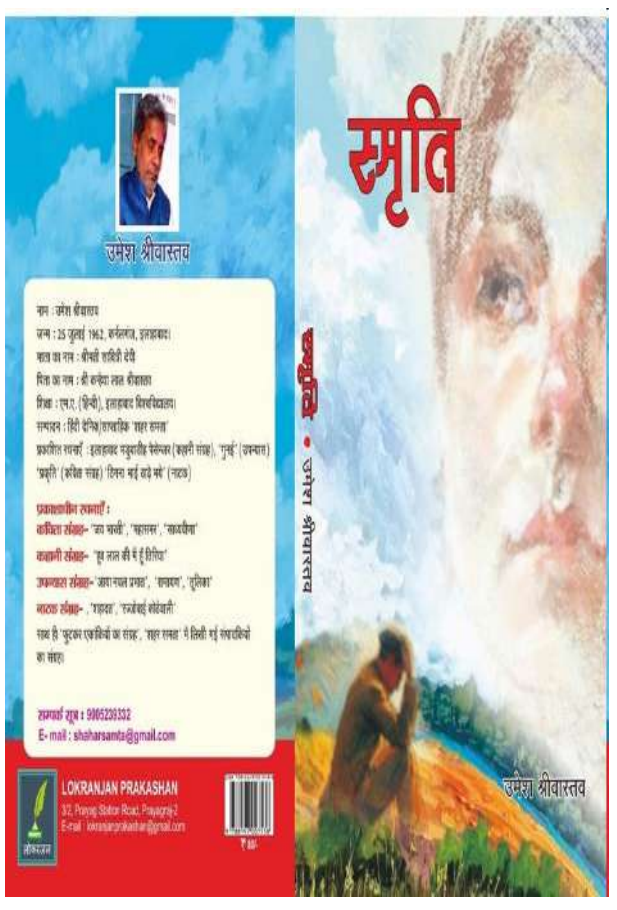

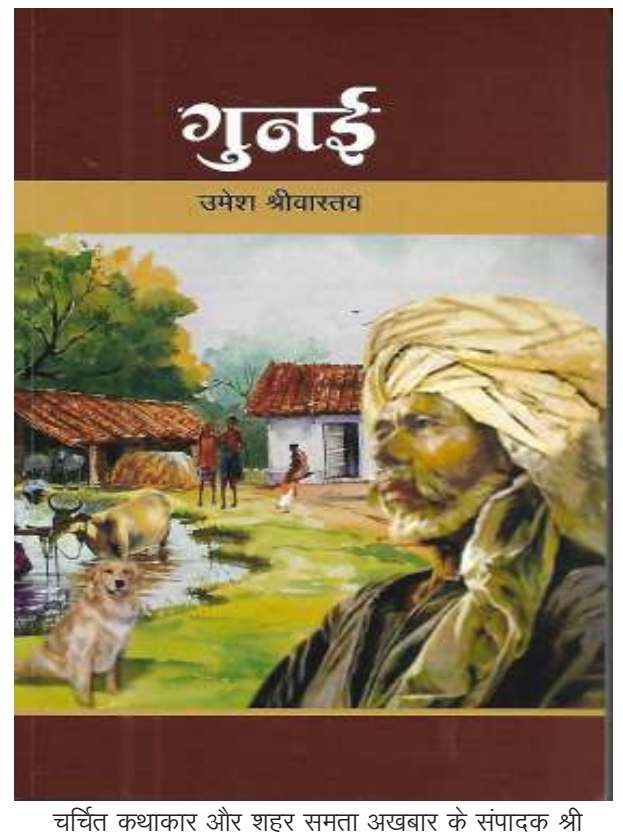

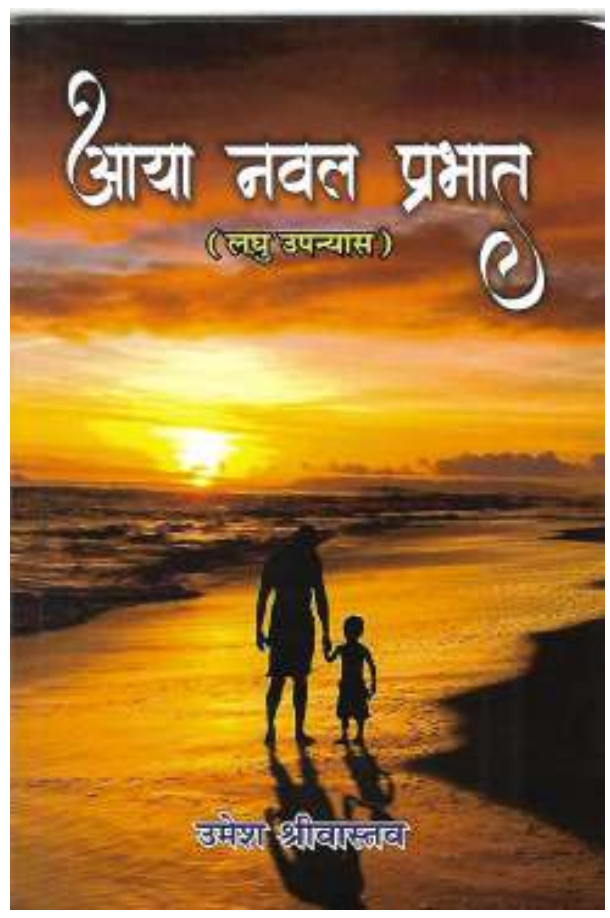

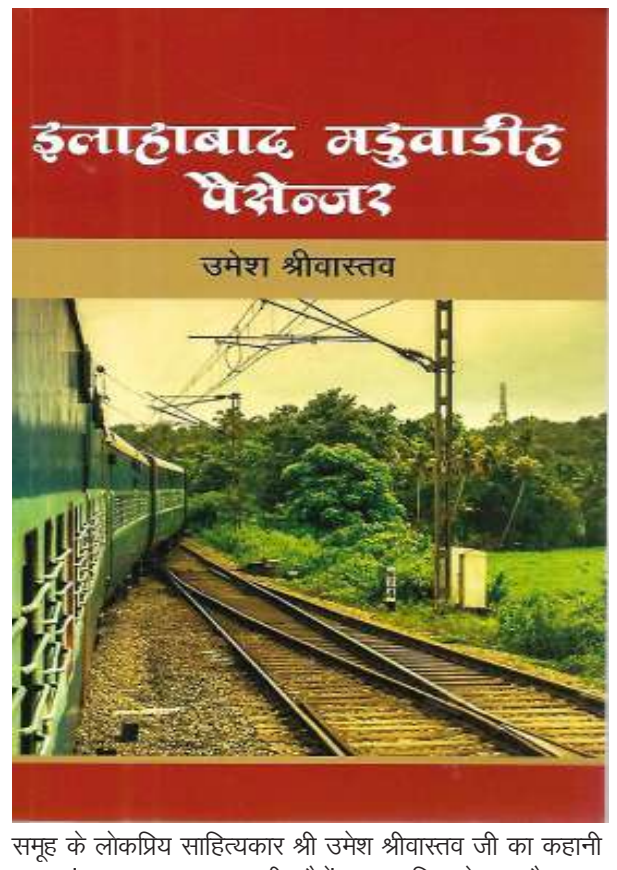

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

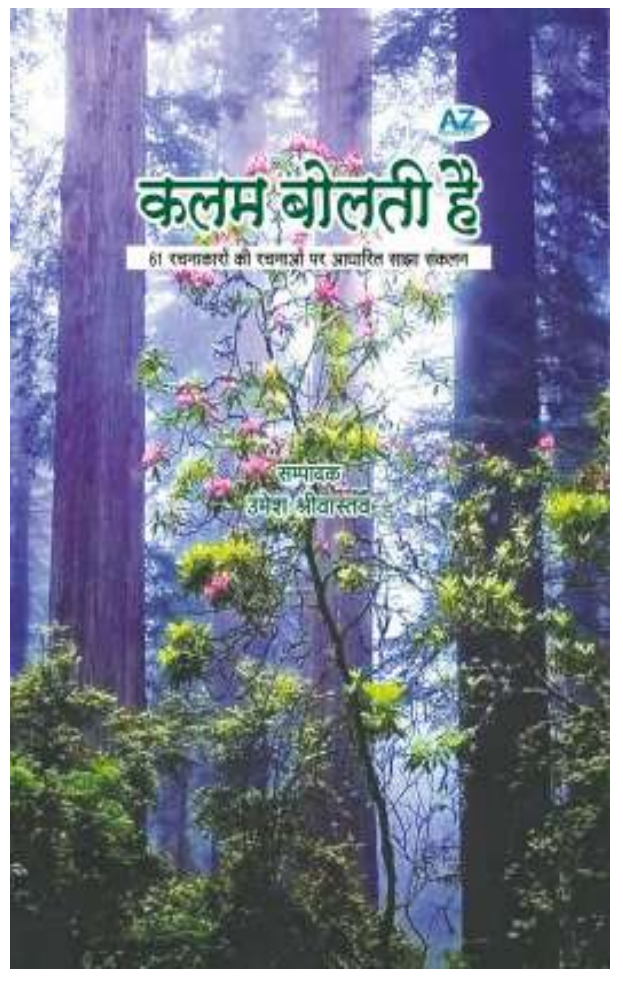

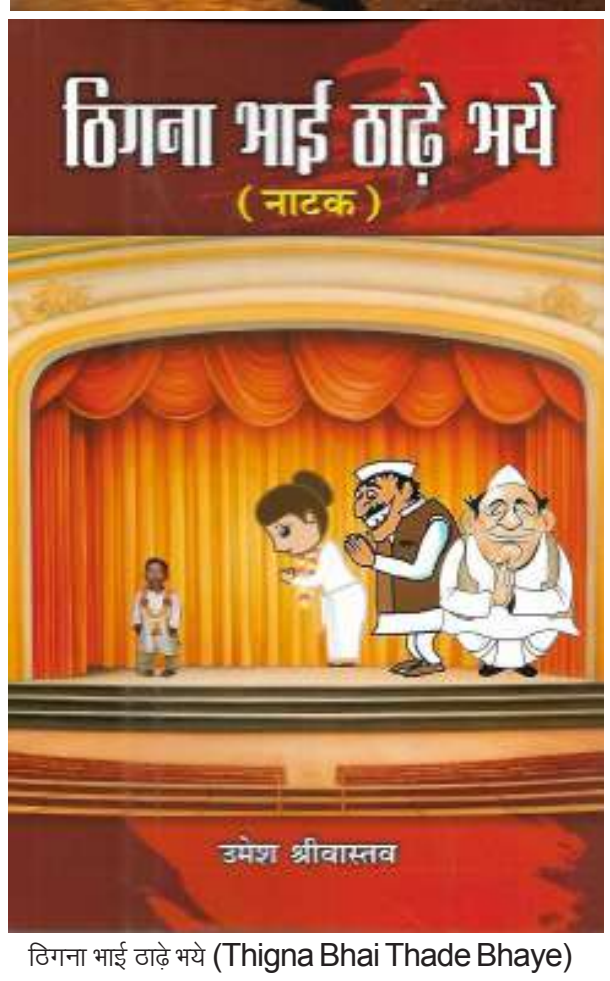

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

23 वर्षीय तुषार कुमार ने रचा इतिहास, ब्रिटेन में सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बनेय मिली बोरेहामवुड की कमान

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के 23 वर्षीय तुषार कुमार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। उन्हें आधिकारिक तौर पर एल्सट्री और बोरेहामवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। वह

ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के व्यक्ति बन गए हैं। 13 मई को बोरेहामवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित एक समारोह में उनकी नियुक्ति की पुष्टि हुई। तुषार कुमार ने लंदन के किंग्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। मेयर की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह डिप्टी मेयर के रूप में काम कर रहे थे। वह लंबे समय से बोरेहामवुड में स्थानीय नागरिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर तुषार कुमार ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे एक बड़ा सम्मान बताया। तुषार ने कहा कि किंग्स कॉलेज में राजनीति विज्ञान पढ़ने से लेकर अपने पसंदीदा शहर का मेयर बनने तक का यह सफर उनके लिए किसी सपने जैसा है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में मिले समर्थन के लिए सभी का आभार जताया। इसी दौरान तुषार ने निवर्तमान मेयर डैन ओजारो को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर रहते हुए उन्हें डैन से बहुत कुछ सीखने को मिला। डैन ने पिछले एक साल में शहर की सेवा में जो योगदान दिया, तुषार ने उसकी भी सराहना की। आगामी नागरिक वर्ष के लिए लिंडा स्मिथ को नया डिप्टी मेयर नियुक्त किया गया है। मेयर के रूप में तुषार कुमार का मुख्य लक्ष्य समुदाय के बीच अपनी मौजूदगी बढ़ाना है। वह स्थानीय चौरिटी संस्थाओं और संगठनों की मदद करना चाहते हैं। इसके साथ ही वह चाहते हैं कि अधिक से अधिक युवा सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक जीवन में हिस्सा लें। तुषार ने संकल्प लिया कि वह समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को सुलझाने और युवाओं को प्रेरित करने का काम करेंगे।

चीन में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुईं, दो की मौत, कई लापता

बीजिंग , एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है। कई इमारतें तबाह, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा। भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन मेंय अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (PHAC) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। च्भ्।ब् ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है। हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई–रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है। यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित डट भ्वदकपने अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

बराकाह परमाणु संयंत्र क्यों है इतना अहम ? जिस पर हमले से पश्चिम एशिया में फिर शुरू हो सकता है युद्ध

दुबई , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ा हुआ है। आशंका है कि इस हमले के बाद फिर से युद्ध छिड़ सकता है। दरअसल अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन हमले का शक ईरान पर जताया जा रहा है। वहीं इस हमले के बाद से संयुक्त अरब अमीरात की सरकार बेहद खफा है। तो आइए जानते हैं कि ये परमाणु संयंत्र क्यों संयुक्त अरब अमीरात और पूरी खाड़ी दुनिया के लिए क्यों इतना अहम है। अरब दुनिया के लिए क्यों अहम है ये परमाणु संयंत्र? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई का बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूएई की बड़ी उपलब्धियों में से एक है और यह अरब दुनिया का पहला और एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। करीब 20 अरब डॉलर की लागत से दक्षिण कोरिया की साझेदारी में बने इस संयंत्र ने

2021 में पूर्ण व्यावसायिक संचालन शुरू किया था। यह यूएई की कुल बिजली जरूरत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। बराकाह संयंत्र 2050 तक श्नेट जीरोश लक्ष्य हासिल करने की यूएई की रणनीति में भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यूएई इस संयंत्र का संचालन अमेरिका की मदद से करता है। दोनों देशों के बीच ऐसा समझौता है जिसके तहत यूएई खुद यूरेनियम संवर्धन और पुनर्प्रसंस्करण क्षमता विकसित करने के बजाय परमाणु ईंधन आयात करता है। इस परमाणु संयंत्र को लेकर कहा जाता है, श्बराकाह परियोजना को दुनिया के सामने सुरक्षित और शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के आदर्श मॉडल के तौर पर पेश किया जाता रहा है। हमले में संयंत्र के बिजली जेनरेटर को हुआ नुकसान परमाणु संयंत्र पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है। हमले के चलते संयंत्र के परिसर की बाहरी सीमा पर आग लग गई थी और एक बिजली जनरेटर में आग लग गई थी। यूएई सरकार के अधिकारियों ने कहा है कि हमले के चलते संयंत्र से किसी तरह का रेडियोधर्मी रिसाव नहीं हुआ है और इससे जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले पर भारत ने जताई चिंता भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले पर गहरी चिंता जताई और इसे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ाने वाली खतरनाक घटना बताया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ड्रोन हमले के स्रोत का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। इस घटना के बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ने की आशंका गहरा गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, श्यूएई के बराकाह परमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर किए गए हमले को लेकर भारत गहरी चिंता व्यक्त करता है। ऐसी कार्रवाईयां अस्वीकार्य हैं और यह स्थिति को खतरनाक स्तर तक ले जाने वाला कदम है। हम सभी पक्षों से संयम बरतने और संवाद व कूटनीति के रास्ते पर लौटने की अपील करते हैं। ईरान और यूएई के बीच तनाव बढ़ा हुआ है पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से ही संयुक्त अरब अमीरात और खाड़ी के कई अन्य देश ईरान के निशाने पर हैं। ईरान कई बार यूएई पर ड्रोन और मिसाइल हमले कर चुका है, जिससे यूएई में कई लोगों की मौत हुई है। हालांकि अभी तक संयुक्त अरब अमीरात ने संयम बरता है। हालांकि बीते दिनों इस्राइल और यूएई के बीच बातचीत की खबरें सामने आने के बाद से ईरान बेहद नाराज है और उन्होंने यूएई पर हमले की धमकी दी है। भारत में आयोजित हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भी यूएई और ईरान के नेताओं के बीच बहस हुई। अब बराकाह परमाणु संयंत्र पर हमले ने दोनों देशों के बीच तनाव में आग में घी डालने का काम किया है।

डिजिटल युद्ध की ओर ईरान ?: होर्मुज में बिछी केबलों पर शुल्क वसूलने की तैयारी, इंटरनेट-बैंकिंग पर खतरा मंडराया

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान अब अपनी रणनीति को सैन्य ताकत से आगे बढ़ाकर डिजिटल और आर्थिक दबाव की दिशा में ले जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी भौगोलिक पकड़ मजबूत मानते हुए ईरान ने अब समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट और डेटा केबलों से राजस्व कमाने की योजना बनाई है। इस कदम ने वैश्विक टेक कंपनियों और कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। ईरानी सरकार और उससे जुड़े मीडिया संस्थानों ने संकेत दिए हैं कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी बड़ी टेक कंपनियों को होर्मुज स्ट्रेट के नीचे गुजरने वाली इंटरनेट केबलों के इस्तेमाल के लिए शुल्क देना पड़ सकता है। ईरान के सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफाघरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इंटरनेट केबलों पर शुल्क लगाया जाएगा। डिजिटल युद्ध की तरफ बढ़ रहा है ईरान? सीएनएन की एक रिपोर्ट के के अनुसार, ईरान अब अपनी भौगोलिक स्थिति को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की पश्चिम एशिया विशेषज्ञ दीना एसफंदियारी के मुताबिक ईरान दुनिया को यह संदेश देना चाहता है कि अगर उस पर हमला हुआ तो वैश्विक

अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर इंटरनेट केबलों को नुकसान पहुंचता है तो इसका असर सिर्फ इंटरनेट स्पीड तक सीमित नहीं रहेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, सैन्य संचार, शेयर बाजार और क्लाउड सर्विस तक प्रभावित हो सकती हैं। भारत समेत एशिया के कई देशों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। भारत और खाड़ी देशों पर पड़ सकता है बड़ा असर रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज स्ट्रेट एशियाई डेटा हब और यूरोपीय नेटवर्क के बीच एक अहम डिजिटल कॉरिडोर है। अगर यहां किसी तरह की रुकावट आती है तो भारत की आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री और ऑनलाइन कारोबार को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। खाड़ी देशों में तेल और गैस निर्यात से जुड़े डिजिटल सिस्टम भी प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा यूरोप और एशिया के बीच वित्तीय लेनदेन और शेयर ट्रेडिंग की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। वैश्विक इंटरनेट नेटवर्क की रीढ़ हैं ये केबल विशेषज्ञों के अनुसार समुद्र के नीचे बिछी सबसी केबलें दुनिया के इंटरनेट और डेटा ट्रैफिक का सबसे बड़ा आधार हैं। यूरोप, एशिया और खाड़ी देशों के बीच बैंकिंग सिस्टम, क्लाउड सर्विस, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और ।प् डेटा ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा इन्हीं केबलों से गुजरता है। ईरान से जुड़े मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि भविष्य में केबल कंपनियों को लाइसेंस फीस देनी होगी और मरम्मत का अधिकार केवल ईरानी कंपनियों को मिलेगा। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ईरान इन नियमों को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर कैसे लागू करेगा, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण कई विदेशी कंपनियां सीधे ईरान को भुगतान नहीं कर सकतीं। अंतरराष्ट्रीय कानून का हवाला दे रहा ईरान ईरानी मीडिया का दावा है कि यह योजना अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून न्छब्स्ै के तहत बनाई जा रही है। इस कानून के अनुसार कोई भी तटीय देश अपनी समुद्री सीमा में आने वाली केबलों पर कुछ शर्तें लागू कर सकता है। ईरान मिस्र और स्वेज नहर का उदाहरण देकर यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि रणनीतिक जलमार्ग से आर्थिक लाभ कमाना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य और स्वेज नहर की कानूनी स्थिति अलग–अलग है। फिलहाल दुनिया की नजर ईरान की अगली रणनीति पर टिकी है, क्योंकि डिजिटल युग में इंटरनेट केबल किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण बन चुकी हैं। पहले भी हो चुके हैं ऐसे हमले समुद्र के नीचे बिछी संचार केबलों को निशाना बनाने की घटनाएं नई नहीं हैं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन ने जर्मनी की टेलीग्राफ केबल काट दी थी। हाल ही में 2024 में यमन के हूती विद्रोहियों से जुड़े हमले में लाल सागर में तीन इंटरनेट केबल क्षतिग्रस्त हो गई थीं, जिससे क्षेत्रीय इंटरनेट ट्रैफिक का करीब 25 प्रतिशत प्रभावित हुआ था। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक नेटवर्क में वैकल्पिक रूट मौजूद होते हैं, लेकिन बड़े स्तर पर नुकसान होने पर असर वैश्विक हो सकता है।

अमेरिका में बड़ा हादसा: एयर शो के दौरान आसमान में टकराए दो लड़ाकू विमान, बाल-बाल बची पायलटों की जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक सैन्य अड्डे (मिलिट्री बेस) पर चल रहे एक बड़े और मशहूर एयर शो के दौरान बहुत बड़ा हादसा हो गया। हवा में खतरनाक करतब दिखाते समय अमेरिकी नौसेना के दो बड़े लड़ाकू विमान अचानक आपस में टकरा गए। विमानों की इस भीषण टक्कर के बाद आसमान में ही एक जोरदार धमाका हुआ और उनमें भयंकर आग लग गई। यह बहुत ही गनीमत रही कि इस भयानक हादसे में विमानों के अंदर बैठे सभी पायलट और क्रू मेंबर समय रहते पैराशूट की मदद से सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे

उनकी जान बच गई। यह एक ऐसी खबर है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। यह पूरी भयानक घटना रविवार के दिन श्माउंटेन होम एयर फोर्स बेसश पर हुई है। यहां आम लोगों के मनोरंजन और अमेरिकी सेना की ताकत दिखाने के लिए श्गनफाइटर स्काईज एयर शोश का भव्य आयोजन किया गया था। इसी खास कार्यक्रम के दौरान ईए–18 (म्।–18) नाम के दो लड़ाकू विमान हवा में बहुत पास–पास उड़कर अपना कौशल दिखा रहे थे। अचानक दोनों विमानों का संतुलन बिगड़ा और वे हवा में ही एक–दूसरे से बुरी तरह टकरा गए। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर इस घटना के जो डरावने वीडियो सामने आए हैं, उनमें साफ तौर पर दिख रहा है कि टक्कर के बाद विमानों से चिंगारियां निकलीं। इसके बाद दोनों विमान आग के एक बड़े गोले में बदलकर, काले धुएं का गुबार छोड़ते हुए तेजी से जमीन की तरफ गिर पड़े। इसी दौरान आसमान में चार पैराशूट खुलते हुए नजर आए। हादसे के तुरंत बाद सैन्य अड्डे पर क्या बड़े कदम उठाए गए? इस भयंकर हादसे के होते ही पूरे सैन्य अड्डे पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। खतरे को भांपते हुए श्माउंटेन होम एयर फोर्स बेसश को तुरंत पूरी तरह से बंद (लॉक्ड डाउन) कर दिया गया, ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति अंदर या बाहर न जा सके। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल, दमकल गाड़ियां और बचाव कर्मी बिना एक भी पल गंवाए घटना वाली जगह पर पहुंच गए। सेना ने तुरंत अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान जारी करके बताया कि बचाव दल घटना स्थल पर मौजूद है। इसके साथ ही इस बात की बहुत ही बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे और किसकी गलती से हुई। विमानों के पायलट और क्रू मेंबर फिलहाल किस हाल में हैं? हवा में हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर एयर शो में मौजूद हर एक इंसान बुरी तरह डर गया था। लेकिन सभी के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पायलट पूरी तरह से ठीक हैं। एयर बेस पर तुरंत लाउडस्पीकर के जरिए यह आधिकारिक घोषणा करके डरे हुए लोगों को बताया गया कि हादसे में शामिल सभी सैनिक पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर आ गए हैं और वे ष्ठीकष हैं। हालांकि, सेना के अधिकारियों ने तुरंत इस बात की पूरी जानकारी मीडिया को नहीं दी कि पैराशूट से कूदने के दौरान किसी को कोई चोट लगी है या नहीं, या फिर दोनों अत्याधुनिक विमानों के आपस में टकराने की असली वजह क्या थी। हादसे के बाद एयर शो और आम लोगों को लेकर पुलिस ने क्या आदेश दिया? इस डरावने और जानलेवा हादसे के बाद कार्यक्रम आयोजित करने वालों ने कोई भी खतरा न लेते हुए, बचे हुए पूरे एयर शो को तुरंत रद्द कर दिया। माउंटेन होम पुलिस ने भी आसपास रहने वाले सभी स्थानीय लोगों से यह सख्त अपील की है कि वे एयर बेस की तरफ बिल्कुल यात्रा न करें। पुलिस ने कहा कि जब तक सेना का बचाव और राहत का काम चल रहा है, तब तक आम लोगों को इस इलाके से दूर ही रहना चाहिए।

शिकागो के पास सड़क हादसे में 25 साल की भारतीय छात्रा की मौत, छह अन्य घायल, परिवार के संपर्क में दूतावास

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शिकागो के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 25 साल की एक भारतीय छात्रा की जान चली गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार देर रात इंडियाना राज्य के लेक काउंटी में क्राउन पॉइंट शहर के पास इंटरस्टेट 65 हाईवे पर हुई। स्थानीय मीडिया

रिपोर्टों ने मृत छात्रा की पहचान नव्या गडूसू के रूप में की है। लेक काउंटी कोरोनर कार्यालय ने रविवार रात 12 बजकर 16 मिनट पर नव्या को मृत घोषित कर दिया। कोरोनर कार्यालय की रिपोर्ट में बताया गया है कि नव्या की मौत वाहन दुर्घटना के दौरान शरीर पर लगी गंभीर चोटों के कारण हुई। दूतावास ने जताया दुख शिकागो में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में नव्या के परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना व्यक्त की। दूतावास ने कहा कि वे मृतक के परिवार के संपर्क में हैं। साथ ही, वे उन दोस्तों और समुदाय के सदस्यों के भी संपर्क में हैं जो हादसे में घायल हुए लोगों की मदद कर रहे हैं। पुलिस ने क्या कहा? इंडियाना स्टेट पुलिस ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना शनिवार रात करीब 11 बजकर 15 मिनट बजे हुई। एक लाल रंग की मिनीवैन में सात वयस्क सवार थे। यह वैन एक अन्य वाहन के पीछे चल रही थी जिसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी। इस वजह से मिनीवैन की रफ्तार बहुत कम, केवल 10 से 15 मील प्रति घंटा थी। पीछे से आ रही एक दूसरी कार के ड्राइवर को अंदाजा नहीं हुआ कि मिनीवैन इतनी धीमी चल रही है। उस ड्राइवर ने वैन से बचने के लिए अपनी कार को बाईं ओर मोड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मिनीवैन के बाएं हिस्से से टकरा गई। टक्कर के बाद मिनीवैन सड़क से उतरकर एक गड्ढे में जा गिरी। जिस वाहन में तकनीकी खराबी थी, उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस जांच में सुरक्षा को लेकर एक बड़ी लापरवाही सामने आई है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, श्राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।